16 नवम्बर 2026 सोमवार
वर्ष : 22 अंक: 19
पृष्ठ : 8
लखनऊ
राजधानी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

छठ पूजा
की हार्दिक शुभकामनाये

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH

हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com



खेल

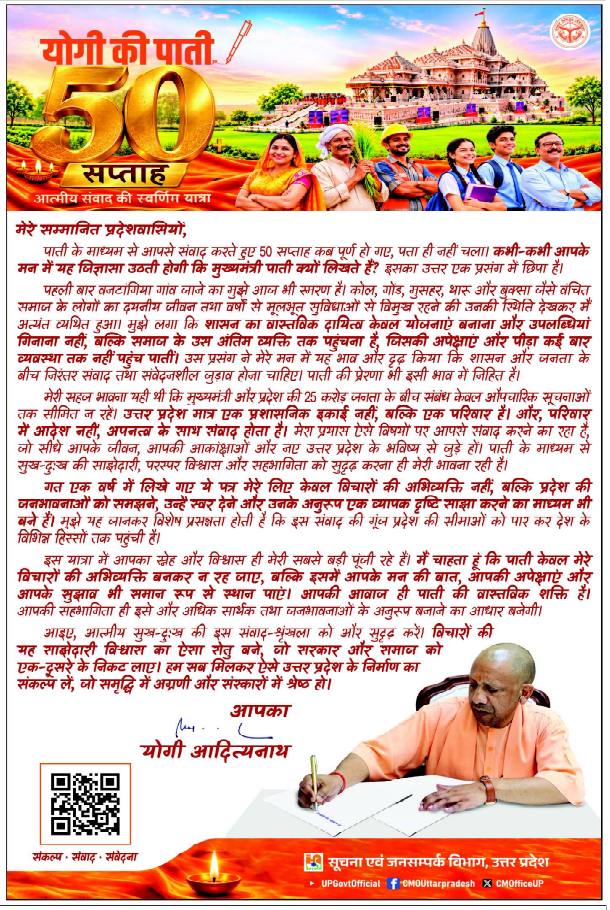
Team India ने पांचवां वनडे जीत सीरीज पर किया कब्जा 7

बदली व्यवस्था, युवाओं को मिल रहा सम्मान : योगी

- सीएम की युवाओं से अपील : मतदाता सूची में जरूर दर्ज कर ले अपना नाम
- लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के 300 शिक्षण संस्थान ने लिया हिस्सा



लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में युवाओं को डिजिटल शिक्षा और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल से स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत 25 लाख टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के करीब 300 शिक्षण संस्थानों से लगभग 50 हजार छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने युवाओं को प्रदेश और देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है और उत्तर प्रदेश भी युवा आबादी वाला प्रदेश है। उन्होंने कहा कि 15 से 35 वर्ष की उम्र युवाओं के लिए अपनी क्षमता और प्रतिभा को साबित करने का समय है। इस उम्र में असंभव कुछ भी नहीं है। उन्होंने महारानी लक्ष्मीबाई, वीर सावरकर और महाराणा प्रताप जैसे महान व्यक्तित्वों का उदाहरण देते हुए युवाओं को साहस, संघर्ष और देश के प्रति समर्पण की प्रेरणा दी। 2022 व 2023 में भी आंशिक रूप से ऑनलाइन परीक्षाओं में हमारे युवाओं ने वितरित किए गए टैबलेट और स्मार्टफोन का उपयोग किया था। आईआईएम लखनऊ के माध्यम से हमने इसका सर्वे कराया था, जिसमें पाया कि टैबलेट और स्मार्टफोन के उपयोग के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए थे। बोले,पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की छवि में बड़ा बदलाव आया है। पहले सरकारी नौकरियों में सिफारिश और भ्रष्टाचार की शिकायतें आम थीं, अब भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता आई है। युवाओं को बिना रिश्वत और सिफारिश के नौकरी पाने का अवसर मिल रहा है। कानून व्यवस्था बेहतर होने से निवेश का माहौल तैयार हुआ है।उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है और कानपुर में राइफलें बनाई जा रही हैं। पहले निवेशक प्रदेश में आने से कतराते थे, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। जिस जमीन पर कभी अपराधी कब्जा करना चाहते थे, वहां आज फोरेंसिक संस्थान बनाया गया है। प्रदेश में अब माफिया का नहीं, बल्कि कानून का शासन हैमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से अपील की कि सरकार की ओर से दिए जा रहे टैबलेट का इस्तेमाल केवल मनोरंजन के लिए न करें, बल्कि इन्हें शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार की तैयारी का माध्यम बनाएं।युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की ताकि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी कर सकें। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरित करने का लक्ष्य रखा है। राज्य के बजट में 2,374.60 करोड़ आवंटित किए गए हैं।



लक्ष्मण मेला मैदान में सीएम योगी ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य, श्रद्धालुओं पर की पुष्प वर्षा



लखनऊ,संवाददाता। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान स्थित छठ घाट पहुंचे। यहां उन्होंने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर छठी मैया के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर समेत कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग मौजूद रहे। छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती महिलाओं और पुरुषों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे। पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने छठी मैया के पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए। उनके साथ 100 से अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए माहौल को भक्तिमय बना दिया। छठ घाट पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर प्रदेशवासियों को भोजपुरी में छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, छठ महापर्व में शामिल सभी भाई–बहिन लोगन के इस पावन पर्व के बहुत–बहुत बधाई और मंगलकामना। हम छठी मैया और भगवान सूर्य देव से प्रार्थना करतानी कि रउआ सभी पर उनकर कृपा बनल रहे और आप सभी के मनोरथ पूरा हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि छठ महापर्व की सबसे बड़ी ताकत हमारी माताएं और बहनें हैं।
वे तीन–तीन दिन तक निर्जला व्रत रखकर परिवार, संतान और पूरे समाज के मंगल के लिए तपस्या करती हैं। यह हमारी संस्कृति और सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है।

प्रतिभाओं का सम्मान नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने का सशक्त माध्यम : केशव



लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आज बरेली के मनोहर भूषण इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामाजिक समरसता सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करना अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायी प्रयास है। जब समाज अपने प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करता है तो इससे उनमें आगे बढ़ने का उत्साह, आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का संचार होता है।
ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर जीवन में नई ऊंचाइयां हासिल करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि सम्मानित होने वाले सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। उनके आगे बढ़ने में हम सभी का कोई योगदान होगा तो यह हमारे लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय होगा।श्री मौर्य ने कहा कि सामाजिक समरसता हमारा संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश आगे बढ़ रहा है।

मेमू ट्रेन से गिरकर यात्री घायल, अस्पताल भर्ती

बाराबंकी,संवाददाता। जिले के लोनीकटरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मेमू ट्रेन से गिरकर एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा छंदरौली रेलवे स्टेशन के पास रेलवे गेट नंबर 175सी के नजदीक हुआ। घायल की पहचान सुल्तानपुर निवासी अशोक कुमार के रूप में हुई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।जानकारी के मुताबिक, अशोक कुमार रविवार सुबह करीब 10.30 बजे मेमू ट्रेन में सफर कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक ट्रेन से नीचे गिर गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। घायल की पहचान अशोक कुमार पुत्र गंगा प्रसाद यादव निवासी बनकेपुर गांव, ब्लॉक दुबेपुर, जिला सुल्तानपुर के रूप में हुई है। हादसे की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें इलाज के लिए त्रिवेदीगंज अस्पताल भेजने की तैयारी की गई।

इंडिगो के विमान का लैंडिंग गियर हुआ खराब, पायलट की सूझबूझ से पुणे एयरपोर्ट पर हुई सुरक्षित लैंडिंग



एजेंसी,पुणे । गुवाहाटी जा रहा इंडिगो का एक विमान रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद लैंडिंग गियर में तकनीकी खराबी आने के कारण सुरक्षित पुणे हवाई अड्डे पर लौट आया। हालांकि, एहतियात के तौर पर भारतीय वायु सेना ने पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया था। विमान फ्लाइट संख्या 6E 0623 (वीटी–आईजेडई) के रूप में संचालित हो रहा था। इसने पुणे से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरी थी। इसी दौरान चालक दल ने पाया कि विमान का लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा रहा है और बाहर ही निकला हुआ है। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को इसकी सूचना दी। इसके बाद हवाई अड्डा अधिकारियों ने स्थिति से निपटने के लिए इंडिगो और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया।पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया और यात्रियों एवं चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दमकल गाड़ियों, एंबुलेंस और आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तैनात कर अलर्ट पर रखा गया। मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत विमान ने रनवे के ऊपर से कम ऊंचाई पर उड़न भरी, ताकि अधिकारी लैंडिंग गियर की स्थिति का दृश्य निरीक्षण कर सकें और विमान की वापसी को मंजूरी दे सकें। इसके बाद विमान सुबह 9.04 बजे पुणे हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया। लैंडिंग के बाद आपातकालीन वाहनों की मदद से विमान को बे नंबर 7 तक ले जाया गया।



दबिश देने गई पुलिस टीम पर हमला, मारपीट में चौकी प्रभारी समेत 2 घायल



आगरा,संवाददाता। महिला पर जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। बाह के बिजकौली गांव में आरोपी को पकड़ने पहुंची पुलिस से घर में मौजूद लोगों ने अभद्रता और मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हंगामे और धक्कामुक्की का फायदा उठाकर मुख्य आरोपी खेतों की तरफ भाग निकला। हमले में बटेश्वर चौकी प्रभारी अनुज कुमार समेत दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। मामले में पुलिस ने छह नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। नगला मोहनलाल निवासी सिया देवी ने ट्रांसयमुना थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि 10 नवंबर की रात करीब 2.30 बजे राकेश नगर निवासी विवेक जाटव उर्फ पंजाबी, विवेक उर्फ भेड़िया और बालाजी नगर निवासी यश चौधरी उर्फ यश जाट उनके घर पहुंचे थे। दरवाजा खटखटाने पर वह अपने बेटे सचिन के साथ बाहर आईं। आरोप है कि तीनों ने जान से मारने की नीयत से कई राउंड फायरिंग की। मां–बेटे ने दरवाजे की ओट लेकर अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपियों ने श्याम यादव के घर पर भी फायरिंग की और फरार हो गए। घटनास्थल से पुलिस को कारतूस के खोखे मिले थे। सीसीटीवी फुटेज में भी फायरिंग की पुष्टि हुई थी। जांच के दौरान पुलिस को मुख्य आरोपी विवेक जाटव उर्फ पंजाबी की लोकेशन बाह के बिजकौली गांव में मिली। सूचना थी कि वह नगला केहरी, सिरसागंज निवासी अपने दोस्तों प्रिंस उर्फ काली यादव और प्रियांशू यादव की मदद से बिजकौली निवासी धर्मेंद्र के घर में छिपा हुआ है। इसके बाद ट्रांसयमुना थाना प्रभारी हरेंद्र कुमार, सर्विलांस टीम नगर जोन, एसओजी और बटेश्वर चौकी प्रभारी अनुज कुमार की संयुक्त टीम ने धर्मेंद्र के घर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी खेतों की तरफ भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ने के लिए पीछा किया। आरोप है कि घर में मौजूद धर्मेंद्र, उसकी पत्नी शिवानी, बेटा पवन यादव, होराम सिंह का बेटा नीरज, बालकृष्ण उर्फ बॉबी, उसकी पत्नी रीना और दो अन्य महिलाओं ने पुलिस टीम को घेर लिया। पुलिसकर्मियों ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग मारपीट और धक्कामुक्की करने लगे। इसी दौरान मुख्य आरोपी मौके से भाग निकला।

उन्नाव में ट्रेन की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की मौत, घर लौटते समय हुआ हादसा

उन्नाव। लोक हस्तक्षेप समाचार । अजगैन थाना क्षेत्र के कुसुंभी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा शनिवार शाम करीब सात बजे के बाद का बताया जा रहा है। युवक मेल ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गुलशन (24) पुत्र विजय बहादुर निवासी कुसुंभी सूबेदार खेड़ा, थाना अजगैन के रूप में हुई है। बताया गया कि गुलशन कबाड़ का काम करता था। उसका घर रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित है। शनिवार शाम वह अपने घर की ओर जा रहा था, तभी कुसुंभी स्टेशन के पास ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक दो भाइयों में सबसे बड़ा था। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। घर के बड़े बेटे की असमय मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

ऑटो के अचानक ब्रेक लगाने से महिला के सिर में लगी गंभीर चोट, इलाज के दौरान मौत

उन्नाव। लोक हस्तक्षेप समाचार । दही थाना क्षेत्र में पाँवर हाउस के पास ऑटो में सफर कर रही 58 वर्षीय महिला की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ऑटो चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने से महिला को सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे के बाद महिला की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान नन्काई (58) पत्नी जयराम निवासी डहरौली, थाना अजगैन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार नन्काई ऑटो से अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान दही क्षेत्र में पाँवर हाउस के पास ऑटो चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे महिला को सिर में गंभीर चोट आ गई। हादसे के बाद परिजन और स्थानीय लोग उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां उनकी मौत हो गई। मृतका के परिवार में एक बेटी और दो बेटे हैं। उनके पति जयराम खेती–किसानी करते हैं। महिला की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

लखनऊ पब्लिक स्कूल के 'स्पार्क 2026' में 41 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

लखीमपुर खीरी। लोक हस्तक्षेप समाचार । लखनऊ पब्लिक स्कूल की लखीमपुर खीरी शाखा में वार्षिकोत्सव 'स्पार्क 2026' का आयोजन हुआ।



कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन, दीप प्रज्ज्वलन और विद्यार्थियों की सरस्वती वंदना से हुई। समारोह में आईसीएसई परीक्षा 2026 में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले 41 विद्यार्थियों को ट्रॉफी और पौधे देकर सम्मानित किया गया। उनके अभिभावकों को भी शॉल भेंट की गई।

विद्यार्थियों ने 'द फलाइंग मिल्खा' में धावक मिल्खा सिंह के संघर्ष को मंच पर उतारा। 'स्पीड ऑफ जंगल' ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, जबकि 'टू नेशन विजन' में भारत और रूस की मित्रता को दर्शाया गया।

समारोह में सशस्त्र सीमा बल के डीआईजी वी. विक्रमन और खीरी सांसद उत्कर्ष वर्मा विशेष अतिथि रहे। संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एस.पी. सिंह पटेल ने विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों और प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रधानाचार्य विजय सचदेवा ने अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार का आभार जताया।

पड़ोसियों के घर चोरी करने वाले दो गिरफ्तार, 80 लाख के जेवर बरामद



बांदा,संवाददाता। जिले के अतर्रा कस्बे में पड़ोसियों के घरों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले युवक और एक बाल अपचारी को पुलिस ने पकड़ा है। दोनों ने दो अलग–अलग मकानों से लाखों रुपए के सोने–चांदी के जेवर चोरी किए थे। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार करने के साथ बाल अपचारी को संरक्षण में लिया है। उनकी निशानदेही पर करीब 80 लाख रुपए कीमत के जेवर, दो बाइक और 2,200 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। मीडिया सेल ने रविवार दोपहर एक बजे इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अतर्रा के बजरंगनगर निवासी रोहित ने 13 नवंबर को घर से सोने–चांदी के जेवर चोरी होने की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इस दौरान एक लड़की हाथ में थैला लेकर घटनास्थल के आसपास से निकलती दिखाई दी। तकनीकी साक्ष्यों और यक्ष ऐप से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उसकी पहचान की। रविवार को पुलिस ने चित्रकूट जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र के रसिन निवासी सत्येंद्र उर्फ सत्यम उर्फ लकी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में बाल अपचारी ने सत्येंद्र के साथ मिलकर चोरी करने की बात स्वीकार की। जांच में सामने आया कि दोनों ने इससे पहले 18 जुलाई को अतर्रा में अपने पड़ोसी रूपम के घर में भी चोरी की थी। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े मुकदमों में चोरी गए जेवर बरामद किए हैं।

इनमें सोने की चेन, मंगलसूत्र, हार, अंगूठियां, चूड़ियां, कड़े और झुमके शामिल हैं। इसके अलावा चांदी की पायल, बिछिया और अन्य आभूषण भी मिले हैं। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर करीब 80 लाख रुपए कीमत के जेवरों के साथ एक बुलेट और एक पल्सर मोटरसाइकिल तथा 2,200 रुपए नकद बरामद किए हैं।

शिव मंदिर से पीतल की मूर्ति चोरी

बस्ती,संवाददाता। पैकोलिया थाना क्षेत्र के औरातोंदा स्थित गिरिजाधाम शिव मंदिर से बीती रात भगवान शंकर की पीतल की मूर्ति चोरी हो गई। रविवार सुबह पुजारी पूजा और जल चढ़ाने के लिए मंदिर पहुंचे, तो मूर्ति अपनी जगह पर नहीं थी। पुजारी ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। मूर्ति चोरी होने की जानकारी के बाद गांव के लोगों को भी घटना का पता चला। गांव के निवासी प्रेम नारायण पांडेय, पुत्र रमेश चंद्र पांडेय, ने पैकोलिया थाने में लिखित शिकायत दी। उन्होंने चोरी गई पीतल की मूर्ति खोजने और मामले में कार्रवाई करने की मांग की। पैकोलिया थाना प्रभारी मोती चंद राजभर ने बताया कि पुलिस को मंदिर से मूर्ति चोरी होने की जानकारी मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैस सिलेंडर से आग लगने पर घर का सामान जला

बस्ती,संवाददाता। जिले के छावनी थाना क्षेत्र के कुआं गांव में रविवार सुबह खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के रेगुलेटर से आग लग गई। आग में घर का सामान जल गया। यह मकान कुआं गांव के अजय प्रजापति, पुत्र भवानी प्रसाद प्रजापति का है। आग में नकदी, 2 कुंतल गेहूं, 5 कुंतल धान, मोबाइल फोन, बक्सा, कपड़े, बिस्तर, बर्तन और गृहस्थी का सामान जल गया। आग बुझाने पहुंचे गांव के बघाई प्रसाद भी हल्के झुलस गए। सूचना पर छावनी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अजय प्रजापति ने बताया कि गृहस्थी का सारा सामान जल गया है। आग से परिवार के लोग परेशान हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

बस्ती,संवाददाता। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब 12रू30 बजे ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अफसाना बानो (38) की मौत हो गई। हादसा कप्तानगंज–पंडौल घाट मार्ग पर मदनपुरा के पास हुआ। सीएचसी कप्तानगंज में डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुबौलिया थाना क्षेत्र के गोकुलपुर निवासी अफसाना बानो, जब्बार की पत्नी थीं। वह रविवार को बाइक से दुबौलिया की ओर से कप्तानगंज आ रही थीं। मदनपुरा के पास ट्रक की चपेट में आने से वह सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। अफसाना बानो के दो बेटे और एक बेटी हैं। बेटी सबा बानो (14), बेटे साहिबान अंसारी (12) और मोहम्मद समीर (10) हैं।

पुलिस ने नाबालिग को भगाने के आरोपी को पकड़ा

बहराइच,संवाददाता। रानीपुर थाना क्षेत्र में किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने के मामले में पुलिस ने वांछित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। उसे कोर्ट भेज दिया गया। दरअसल, पीड़ित ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय पोती को 12 नवंबर की सुबह करीब 11 बजे बाबापुरवा निवासी सुनील पुत्र सुंदर बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया।

पीड़ित ने कुछ अन्य लोगों की भूमिका होने की आशंका भी जताई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 217/2026 दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 87 और 64(1) के साथ पॉक्सो एक्ट की धारा 3ध्4 भी बढ़ाई गई। पुलिस ने 15 नवंबर को आरोपी सुनील को गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त....

जहर खाने से युवक की मौत

बहराइच,संवाददाता। जिले के दरगाह थाना क्षेत्र के जोहरा गांव में शनिवार को जहर खाने से 36 वर्षीय राकेश कुमार की मौत हो गई। परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए थे, जहां देर रात उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजनों के मुताबिक, राकेश शराब पीने के आदी थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका मानसिक संतुलन भी ठीक नहीं रहता था। राकेश के भतीजे शिवपूजन ने बताया कि घटना के समय घर पर कोई नहीं था। उनकी मां किसी काम से बाहर गई थीं। पुलिस ने रविवार को शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

खेत में आग लगी, फायर ब्रिगेड और ग्रामीणों ने बुझाई आग

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कोंच तहसील क्षेत्र के बसोव गांव में रविवार दोपहर 2 बजे एक खेत में आग लग गई। आग लगने का कारण पता नहीं चल सका है। खेत उद्यम सिंह पुत्र गोविंद राम का है। उनकी उम्र करीब 38 वर्ष है और वे बसोव गांव के निवासी हैं। आग की लपटें और धुआं उठता देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड प्रभारी लाखन सिंह दमकल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई। आग आसपास के खेतों तक नहीं फैली। इस घटना में किसी की जान नहीं गई। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

बूथ अध्यक्षों और पदाधिकारियों को फॉर्म बांटे

बांदा,संवाददाता। बबेरू विधानसभा क्षेत्र के ममसी गांव में बूथ सत्यापन के लिए कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों और पदाधिकारियों को फॉर्म बांटे गए। बूथवार मतदाताओं की संख्या और बूथ कमेटी में शामिल किए जाने वाले लोगों के नाम जुटाने की बात कही गई। यह काम राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर किया गया। जोन प्रभारी रामभवन चंदवंशी, बूथ अध्यक्ष राजू यादव, खरौली के पूर्व प्रधान फूल यादव, मिथलेश यादव और गांव के लोग मौजूद रहे। कहा गया कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची तैयार करने का काम चल रहा है। जिन मतदाताओं के नाम किसी कारण से सूची में नहीं हैं, उनसे सूची में नाम जुड़वाने की अपील की गई।

फन्दे पर लटका मिला युवक का शव

बांदा,संवाददाता। जिले के मरका थाना क्षेत्र के अरमार गांव में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह परिजनों ने उसका शव कच्चे मकान की धन्नी से लटका देखा। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। अरमार गांव निवासी भूपेंद्र उर्फ रज्जू (28) पुत्र मलखान यादव ने शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि अज्ञात कारणों से फांसी लगा ली। सुबह जब परिजनों की नजर शव पर पड़ी, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज, बांदा भेज दिया। पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा था। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दहेज की मांग पर महिला से मारपीट का आरोप

बांदा,संवाददाता। बिसंडा थाना क्षेत्र के पुनाहर गांव की सोना ने पति और ससुराल वालों पर दहेज के लिए मारपीट और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति देवदत्त वर्मा समेत आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। एफआईआर के मुताबिक, सोना की शादी 5 जून 2022 को बबेरू क्षेत्र के सातर गांव के देवदत्त से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल वाले मोटरसाइकिल और 50 हजार रुपये मांग रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर सोना से मारपीट और गाली–गलौज की जाती थी। शिकायत में कहा गया है कि अगस्त 2026 में लूधियाना में भी सोना से मारपीट की गई।

युवा जागरण सम्मेलन आयोजित अनुशासन और कर्तव्य का संदेश दिया



उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के कोंच नगर में रविवार दोपहर 12 बजे अखिल विश्व गायत्री परिवार ने युवा जागरण सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम गल्ला मंडी स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में हुआ। यह सम्मेलन वंदनीय माता जी की जन्मशताब्दी और अखंड दीप प्राकट्य शताब्दी के उपलक्ष्य में रखा गया था। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं और बच्चों को नैतिक मूल्यों, संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना था। वक्ताओं ने कहा कि देश का भविष्य युवाओं और बच्चों के हाथों में है। बचपन से अच्छे संस्कार, अनुशासन, शिक्षा और नैतिकता मिलने पर वे समाज और देश के निर्माण में भूमिका निभा सकते हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा अच्छे कामों में लगाने, नशे से दूर रहने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियां समझने का संदेश दिया गया। उन्हें विचारों में सकारात्मकता लाने, चरित्र निर्माण करने और परिवार, समाज व देश के प्रति अपने कर्तव्य निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में गायत्री पीठ जालौन के जिला समन्वयक रमाकांत कौशिक, मुख्य प्रबंध ट्रस्टी महेश चंद्र सैनी और गायत्री पीठ उरई के ट्रस्टी लक्ष्मण सिंह जादौन व सत्यनारायण शर्मा सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। मनोज कुमार, कुलदीप, शंभू राजीव रेजा, मयंक, मोहन गुप्ता, श्रीकांत गुप्ता, मंजू, अंगूरी राजपूत, गायत्री, रेखा और रजनी सहित गायत्री परिवार के सदस्य और अन्य लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुफ्त लाइब्रेरी शुरू, बच्चों और युवाओं को मिलेगी फ्री सदस्यता

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर–36 स्थित सामुदायिक केंद्र में रविवार को मुफ्त लाइब्रेरी शुरू की गई। दोपहर 12 बजे जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इसका लोकार्पण किया। यहां बच्चों और युवाओं को बिना शुल्क सदस्यता मिलेगी। लाइब्रेरी में वाई–फाई की सुविधा के साथ अलग–अलग विषयों की किताबें उपलब्ध रहेंगी। कार्यक्रम का आयोजन आरडब्ल्यू अध्यक्ष अजय भाटी ने किया। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज और देश की प्रगति का आधार है। इस लाइब्रेरी से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि विकास का मतलब केवल सड़कें और इमारतें बनाना नहीं है, बल्कि युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के बेहतर अवसर देना भी जरूरी है। शिक्षित युवा ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। विधायक ने जेवर क्षेत्र में एयरपोर्ट और औद्योगिक निवेश से रोजगार के नए अवसर बनने की बात कही। उन्होंने लाइब्रेरी शुरू करने की पहल के लिए अजय भाटी और उनकी टीम की सराहना की।

बीएसपी प्रत्याशी ने विकास और जनसमस्याओं के समाधान को बताया प्राथमिकता



उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) ने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए उरई सीट से गुलाब सिंह अहिरवार को प्रत्याशी घोषित किया है। रविवार को जिला मुख्यालय उरई में झांसी रोड स्थित रघुवीर धाम में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में प्रत्याशी के नाम की घोषणा की गई। सम्मेलन के मुख्य अतिथि और झांसी मंडल के मुख्य प्रभारी लालाराम अहिरवार ने कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुलाब सिंह अहिरवार को उरई से प्रत्याशी बनाया है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभी से चुनाव की तैयारी में जुटने और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की अपील की। साथ ही पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल से काम करने को कहा। प्रत्याशी घोषित होने पर गुलाब सिंह अहिरवार ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता रहेगा। कानून–व्यवस्था मजबूत करने, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, किसानों की समस्याओं का समय पर समाधान और गरीबों–वंचितों को न्याय दिलाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखने की बात कही। गुलाब सिंह ने कहा कि वह बीएसपी की बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की विचारधारा के अनुरूप क्षेत्र के विकास के लिए काम करेंगे।

कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को सारथी छात्रवृत्ति के चेक दिए

अयोध्या,संवाददाता। जनपद में प्राण फाउंडेशन ने रविवार को 134 आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी विद्यार्थियों को सारथी छात्रवृत्ति के चेक दिए। कार्यक्रम बीएनएस डिग्री कॉलेज, जनौरा के सभागार में हुआ। कार्यक्रम में वित्त एवं लेखा अधिकारी वीरेश वर्मा मुख्य अतिथि रहे। बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक अभिषेक त्रिपाठी, शिव नारायण बालिका इंटर कॉलेज के प्रबंधक दीपक सिंह, राजकरण इंटर कॉलेज अयोध्या के प्रधानाचार्य शिव कुमार मिश्रा और भाजपा नेता रवि तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। संस्था की निदेशक उर्मिला पांडेय ने चयनित विद्यार्थियों को चेक दिए।

प्रेमी की दूसरी शादी की बात पर महिला पोल पर चढ़ी

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के पाली गांव में रविवार को एक महिला प्रेमी की दूसरी शादी की बात से परेशान होकर हाईटेंशन बिजली लाइन के पोल पर चढ़ गई। महिला को नीचे उतारने के लिए पुलिस, बिजली विभाग और रेस्क्यू टीम को करीब पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार टीम ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। जानकारी के मुताबिक, महिला मूल रूप से गोरखपुर की रहने वाली है। वह अपने पति को छोड़कर दो बच्चों के साथ ग्रेटर नोएडा में रह रही है। दादरी में वह एक युवक के साथ रहती थी। आरोप है कि युवक अब किसी दूसरी महिला से शादी करने जा रहा है। इसी बात से परेशान होकर वह शनिवार सुबह करीब 11 बजे हाईटेंशन बिजली लाइन के पोल पर चढ़ गई। सूचना मिलने पर सूरजपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिसकर्मियों और महिला के दोनों बच्चों ने उसे नीचे उतरने के लिए काफी समझाया, लेकिन वह नहीं मानी। इसके बाद पुलिस ने बिजली विभाग और रेस्क्यू टीम को बुलाया। एहतियात के तौर पर पोल के नीचे जाल लगाया गया। बिजली विभाग और रेस्क्यू टीम ने महिला को लगातार समझाने की कोशिश की।

ढ्रश/ग्वग्र;स ध्ब्ब्ग्॥ग्वग्रह्ल ढ्वग्वग्रश्वग्रह्ल ह्लह्ल ढ्रस्र;ग्व ।ड्डह्लस्रस्वह्ल ढ्वग्रर्स स्रस्र ॥ग्व2ढ्ढह्ल ढ्व2ह्लह्ल

अयोध्या विल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम सभा जगदीशपुर (गद्दोपुर) में विकास कार्यों को गति देते हुए अंबेडकर पार्क के निर्माण का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया गया। मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान ने विधिवत पूजन–अर्चन कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। अंबेडकर पार्क का निर्माण 10 लाख रुपये की लागत से कराया जाएगा। इसके अलावा गांव में 24 लाख 34 हजार रुपये की लागत से श्मशान घाट का निर्माण भी कराया जाएगा। इन दोनों विकास कार्यों पर कुल 34 लाख 34 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इस अवसर पर विधायक चंद्रभानु पासवान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में क्षेत्र में विकास कार्यों और जनसुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों और आदर्शों को याद करते हुए उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

पीडीए की ताकत से घबरा गई है भाजपा

दलित सम्मेलन में अखिलेश यादव ने कसा तंज

संवाददाता

लखनऊ।समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने आज (रविवार को) आगरा में दलित सम्मेलन किया। अखिलेश यादव ने इस दौरान दलितों को पीडीए की सबसे मजबूत ताकत बताया और दावा किया कि विधानसभा चुनाव 2027 में यही वर्ग बीजेपी की सत्ता से विदाई सुनिश्चित करेगा। अखिलेश यादव ने कहा कि जब जमीन ही नहीं बचेगी तो पैर कहां रखोगे। 2027 में बीजेपी की सियासी जमीन खिसकने वाली है। अखिलेश यादव ने अपने भाषण में उन राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधा, जो बीजेपी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि पीडीए का दलित अब अपनी ताकत पहचान चुका है। विधानसभा चुनाव 2027 में दलित ही बीजेपी की विदाई करेगा। जो लोग बीजेपी के साथ खड़े हैं, वे दलित समाज के हितैषी नहीं हो सकते हैं। अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार को दलित महापुरुषों और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं को लेकर भी घेरा। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 साल में 200 से ज्यादा अंबेडकर प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त की गईं, लेकिन इन मामलों में प्रभावी एक्शन नहीं हुआ। बाबा साहब की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाना सिर्फ एक मूर्ति पर हमला नहीं है, बल्कि यह उस संविधान पर हमला है, जिसे बाबा साहब ने देश को दिया। इस दौरान, अखिलेश यादव ने सीएम योगी के 80–20 वाले बयान पर भी प्रश्न खड़े किए। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति 80–20 की बात करता है, वह सभी वर्गों के बारे में सोचने वाला नहीं हो सकता। योगी वही हो सकता है, जो 100 फीसदी लोगों के हित की बात करे। हमारी राजनीति का आधार वंचितों, पीड़ितों और अपमान झेलने वाले लोगों को सम्मान दिलाना है। इससे पहले, अखिलेश यादव के प्रस्तावित अयोध्या दौरे पर सपा ने कहा था कि चुनाव में आशीर्वाद दिया है, उसका धन्यवाद देने तो जाना ही पड़ेगा।



राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी में राज्य स्तरीय जूनियर बालक हैंडबॉल प्रतियोगिता 17 से 19 नवंबर तक वाराणसी पब्लिक स्कूल, केराकतपुर, लोहता के हैंडबॉल कोर्ट पर आयोजित होगी। स्वर्गीय श्याम नारायण पाण्डेय की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर होने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 मंडलों की टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें करीब 250 खिलाड़ी और 50 निर्णायक भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के कार्यकारी महासचिव अमित पाण्डेय ने बताया कि प्रतियोगिता लीग– कम–नॉकआउट आधार पर होगी। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट चरण में पहुंचेंगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन 17 नवंबर को खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव करेंगे।

प्रधानाचार्या समेत तीन पर एफआईआर

लखनऊ,संवाददाता। रायबरेली रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल एल्डिको प्रशासन के खिलाफ पीजीआई थाने में गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह एफआईआर उत्तर प्रदेश पुलिस के डीआईजी (प्रशिक्षण) की तहरीर पर स्कूल की प्रधानाचार्या, काउंसलर और रोबॉटिक्स शिक्षक के खिलाफ दर्ज की गई है। तहरीर के अनुसार, 15 अक्टूबर को कक्षा 3 में पढ़ने वाले डीआईजी के 8 वर्षीय पुत्र के साथ रोबॉटिक्स क्लास में एक सीनियर छात्र ने मारपीट और अभद्रता की थी। अगले दिन अभिभावकों द्वारा शिकायत करने पर स्कूल प्रशासन ने असंवेदनशील रवैया अपनाया। आरोप है कि प्रधानाचार्या और शिक्षक को यह भली–भांति पता था कि आरोपित छात्र उस दिन किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने दूसरे स्कूल गया है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने छठ महापर्व की पूजा–अर्चना की

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को कालिदास मार्ग स्थित अपने शासकीय आवास पर विधि–विधान से छठ पूजा की। लोक आस्था और सूर्य उपासना के इस पर्व पर उन्होंने भगवान भास्कर की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की। उन्होंने किसानों की उन्नति और प्रदेश के कल्याण की भी कामना की।

कृषि मंत्री ने प्रदेशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति और सूर्य की उपासना का यह पर्व स्वच्छता, संयम और अनुशासन का संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि छठ सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है चार दिनों तक चलने वाले छठ पर्व की शुरुआत नहाय–खाय से होती है। इसके बाद खरना होता है। तीसरे दिन व्रती अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देते हैं और चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रत का समापन करते हैं।



जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने ओखला में जल शोधन संयंत्र का किया लोकार्पण



लोक हस्तक्षेप समाचार

ओखला। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग ने रविवार को ओखला स्थित यमुनोत्री परिसर में नक्षत्र वाटिका की स्थापना की और जल शोधन संयंत्र का लोकार्पण किया।

नक्षत्र वाटिका में भारतीय ज्योतिष और सनातन परंपरा में वर्णित 27 नक्षत्रों के प्रतीक के रूप में 27 अलग–अलग प्रजातियों के पौधे लगाए गए। वाटिका का उद्देश्य परिसर में हरियाली बढ़ाना और जैव विविधता को बढ़ावा देना है।

जल शोधन संयंत्र यमुनोत्री गेस्ट हाउस परिसर की झील के पानी को साफ करने के लिए लगाया गया है। इससे झील के शोधित पानी के दोबारा इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा।

जलशक्ति मंत्री ने परिसर में किए गए पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को ऐसी पहल आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

यूपी में 25 लाख टैबलेट बांटने का अभियान शुरू, नन्दी बोले,युवाओं को तकनीक से जोड़ने की पहल

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण के तहत 25 लाख टैबलेट बांटने का अभियान शुरू किया गया। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और जनजातीय गौरव दिवस पर लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' मौजूद रहे। नन्दी ने अभियान को युवाओं को आधुनिक तकनीक और डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों से जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि टैबलेट मिलने से युवाओं को पढ़ाई के साथ नए कौशल सीखने, नवाचार करने और भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि किसी प्रदेश की प्रगति का आकलन करते समय वहां के युवाओं के लिए पैदा हुए अवसरों को भी ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने ज्ञान, कौशल और तकनीक को युवाओं की सबसे बड़ी पूंजी बताया। स्वामी विवेकानन्द के विचारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नाम पर संचालित योजना युवाओं को अपने लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम में नन्दी ने प्रदेश के औद्योगिक विकास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और बुनियादी ढांचे में सुधार से उत्तर प्रदेश के प्रति निवेशकों का रुझान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा अपनी प्रतिभा और नवाचार के जरिए सांस्कृतिक, आर्थिक और औद्योगिक विकास में भूमिका निभा रहे हैं।

पंच प्यारों की अगुवाई में निकली गुरुनानक देव की शोभायात्रा

वाराणसी,संवाददाता। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं मानवता, प्रेम तथा आपसी भाईचारे का संदेश देने वाले श्री गुरुनानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व के पावन उपलक्ष्य में रविवार को शोभायात्रा निकाली गई। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में गुरुद्वारा गुरुबाग से जुगो जुग अटल श्री गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंच प्यारों की अगुवाई में यह शोभायात्रा प्रारंभ हुई। शोभायात्रा में फूलमालाओं और बिजली की झालरों से सजाई गई श्री गुरुग्रंथ साहिब की सवारी गाड़ी, गुरु साहिब की पालकी, घुड़सवार व पैदल पंच प्यारे तथा कीर्तन मंडलियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। निर्धारित मार्ग लक्सा, गिरजाघर चौराहा, नई सड़क, चेतगंज, लहुराबीर, मलदहिया, लाजपत नगर, नानक नगर, शास्त्री नगर, अशोक नगर, गांधी नगर, सिगरा चौराहा और स्थयात्रा होते हुए यह यात्रा वापस गुरुद्वारा गुरुबाग पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में हथुआ मार्केट, मलदहिया, लाजपत नगर, नानक नगर, साजन तिराहा, अशोक नगर और गांधी नगर सिगरा सहित विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया और प्रसाद वितरित किया गया। संगत के साथ–साथ गुरुनानक खालसा बालिका इंटर कालेज गुरुबाग, गुरुनानक इंग्लिश मीडियम स्कूल गुरुबाग और गुरुनानक इंग्लिश स्कूल शिवपुर के विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्कूली बच्चों के बैंड की मधुर धुनों और शबद गायन ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया। साथ ही, बच्चे हाथों में स्वच्छ काशी–सुंदर काशी का बैनर लेकर स्वच्छता का संदेश देते चल रहे थे, तो वहीं काशी की साध–संगत यात्रा मार्ग की पवित्रता बनाए रखने के लिए सड़कों की सफाई और धुलाई करती नजर आई। सिख परिवारों की महिलाएं और नानक नाम लेवा श्रद्धालु पूरे रास्ते श्रद्धापूर्वक गुरुवाणी कीर्तन करते रहे। शोभायात्रा के गुरुद्वारा गुरुबाग वापस पहुंचने पर पुष्प–वर्षा और आरती के साथ स्वागत किया गया, जिसके बाद शबद कीर्तन, अरदास और गुरु का अटूट लंगर बरताया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारे के मुख्य ग्रंथी रंजीत सिंह ने बताया कि 23 नवंबर की शाम और 24 नवंबर को प्रकाश पर्व के मुख्य दिन पंथ के प्रसिद्ध रागी जत्थे दिनभर शबद गायन, कीर्तन और कथा के माध्यम से संगत को निहाल करेंगे।

ब्रजेश पाठक ने सपा पर साधा निशाना, लाल टोपी को बताया खतरे की घंटी

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी की लाल टोपी को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने लाल टोपी खतरे का निशान बताते हुए कहा कि हमारे विधायक भी टोपी लगाते हैं लेकिन वो खतरे वाली टोपी नहीं है। पाठक ने ये बयान लखनऊ में आयोजित जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम के दौरान दिया. ब्रजेश पाठक टैबलेट और लैपटॉप वितरण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने लखनऊ उत्तर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक डॉ. नीरज बोरा का मंच से नाम लिया और उनकी ओर इशारा करते हुए जनता को दिखाया. इसके बाद समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि लाल टोपी खतरे का निशान है। ब्रजेश पाठक ने कहा, ये लाल टोपी नहीं है, खतरनाक वाली टोपी नहीं हैं, ये खतरे की घंटी वाले विधायक नहीं हैं। लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अन्य कैबिनेट मंत्री भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में लखनऊ उत्तरी क्षेत्र से विधायक नीरज बोरा काले रंग की पहाड़ी टोपी लगाकर पहुंचे थे। जिसकी ओर इशारा करते हुए ब्रजेश पाठक ने सपा पर निशाना साधा।



लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अन्य कैबिनेट मंत्री भी शामिल हुए थे. कार्यक्रम में लखनऊ उत्तरी क्षेत्र से विधायक नीरज बोरा काले रंग की पहाड़ी टोपी लगाकर पहुंचे थे। जिसकी ओर इशारा करते हुए ब्रजेश पाठक ने सपा पर निशाना साधा।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि हम आपके वोट की ताकत को जानते है। इसलिए सरकार ने अपने खजाने से आपको लैपटॉप और टैबलेट देने का काम किया है। इस सरकार में पूरे प्रदेश की सड़कें बढ़िया है 24 घंटे बिजली आती है। सपा सरकार में एक सप्ताह दिन में और एक सप्ताह रात में लाइट आती थी। मेहमान घर नहीं आते थे।

सपा सरकार ने नौजवानों को अपराधी बनाया है. युवाओं को कट्टा फैक्ट्री की तरफ सपा सरकार ने भेजने का काम किया। पाठक ने कहा कि 26 जनवरी तक यूपी ने 1 लाख नौजवानों को नौकरी दी जाएगी. हमने युवकों को समझा है। हम सब मिलकर उत्तर प्रदेश को और भी विकसित प्रदेश बनाएंगे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन के जरिए हमें और आपको बांटने का काम किया है। सपा गठबंधन लाकर उत्तर प्रदेश को जाति और धर्म के आधार पर बांटना चाहती है। वह प्रदेश को विखंडित करना चाहती है. उन्होंने आह्वान किया कि सभी छात्र एकजुट होकर बीजेपी को जिताने का काम करें। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रदेश में युवाओं को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के लिए 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण अभियान की शुरुआत की गई है। यह वितरण स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत किया जा रहा है। सरकार के मुताबिक, इस योजना के तहत पहले भी लाखों युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। अब 25 लाख अतिरिक्त टैबलेट वितरण के जरिए उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाया जाएगा।

रामलला के दर्शन पर अखिलेश को वोट बैंक का डर

दयाशंकर सिंह ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

श्वेताभ दुबे

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामलला के दर्शन करने को लेकर भाजपा नेताओं ने उन पर निशाना साधा है। प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि अखिलेश इस फैसले को लेकर असमंजस में हैं। उन्हें डर है कि कहीं रामलला के दर्शन करने से एक वर्ग विशेष का वोट बैंक सपा से दूर न हो जाए। भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि यूपी की जनता ने जाति और तुष्टीकरण की राजनीति को नकार दिया है, इसलिए अब अखिलेश भी रामलला की शरण में आने की बात कर रहे हैं। वहीं, प्रवक्ता अंकुश त्रिपाठी ने उन पर भगवा पहनकर सनातनी वोट हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि सपा सरकार के दौरान अयोध्या में रामभक्त कारसेवकों पर गोलियां चलवाई गई थीं। उन्होंने आरोप लगाया



कि प्रदेश का कोई भी सनातनी इस घटना को नहीं भूला है। दयाशंकर सिंह के मुताबिक, आज अखिलेश यादव सनातनी बनने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी पार्टी का पुराना रुख जनता के सामने है। उन्होंने कहा कि अखिलेश और सपा को केवल एक जाति और एक वर्ग से प्रेम है, जबकि बाकी हिंदुओं के हितों से उन्हें कोई मतलब नहीं है।भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव केवल चुनावी फायदे के लिए रामलला के दर्शन करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश शुद्ध मन से भगवान राम की शरण में आते तो उन्हें इसका लाभ मिलता, लेकिन रामभक्त उनके पुराने रुख को नहीं भूलेंगे। राकेश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सपा ने बाबरी मस्जिद निर्माण का समर्थन किया और रामचरितमानस का अपमान कराया। उन्होंने कहा कि अखिलेश को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराने के बजाय खुद आगे आकर मंदिर निर्माण में योगदान देना चाहिए था। भाजपा प्रवक्ता ने अखिलेश से कृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर भी पहल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अब उन्हें बीती बातों को छोड़कर आगे की दिशा में काम करना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता अंकुश त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव समेत सपा के अन्य नेता भगवा वस्त्र पहनकर, त्रिपुंड लगाकर और रुद्राक्ष धारण कर सनातनी होने का दिखावा कर रहे हैं। सपा नेताओं को लगता है कि इससे हिंदू और सनातनी मतदाताओं का समर्थन मिल जाएगा, लेकिन प्रदेश की जनता उनकी असलियत जानती है।अंकुश त्रिपाठी ने सपा नेताओं की विचारधारा पर भी सवाल उठाए और उन पर महमूद गजनवी, बाबर तथा औरंगजेब जैसी मानसिकता वाले लोगों को आदर्श मानने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता सपा को जवाब देगी और पार्टी की तुष्टीकरण की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी।

'भगवा पहनकर सनातनी वोट हासिल करने का स्वांग'

छठ पर काशी की फूल मंडी में लाखों का कारोबार, रजनीगंधा और मुरली के फूल खूब बिके

वाराणसी,संवाददाता। लोक आस्था के महापर्व छठ पर वाराणसी की मलदहिया स्थित किसान फूल मंडी में फूलों का बंपर कारोबार हुआ। पर्व के दौरान मंडी में लाखों रुपए की बिक्री दर्ज की गई। सुबह से ही थोक व्यापारियों और फुटकर खरीदारों की भीड़ जुटने लगी। वाराणसी और आसपास के जिलों के अलावा बिहार तक फूलों की सप्लाई की गई। छठ पर घाटों की सजावट, पूजा–अर्चना और सूर्य को अर्घ्य देने के लिए पारंपरिक फूलों की खूब खरीदारी हुई। मंडी में गेंदे के फूलों की सबसे ज्यादा मांग रही। इसके अलावा सफेद फूलों में रजनीगंधा और मुरली की भी अच्छी बिक्री हुई। श्रद्धालुओं और सजावट करने वालों की मांग के चलते फूलों का स्टॉक तेजी से बिक गया। किसान फूल मंडी के संचालक विशाल दुबे ने बताया कि मौसम की बेरुखी और तूफान के कारण स्थानीय किसानों की फूलों की फसल को नुकसान पहुंचा है। इससे उत्पादन प्रभावित हुआ। किसानों ने बची हुई फसल का कुछ हिस्सा दिवाली पर बेचा और बाकी छठ के लिए मंडी में लाए। इससे उन्हें त्योहार पर कुछ राहत मिली। स्थानीय स्तर पर फूलों की आवक कम होने के कारण मांग पूरी करने के लिए पश्चिम बंगाल से भी बड़ी मात्रा में फूल मंगाए गए। बंगाल से आए फूलों ने बाजार में आपूर्ति बनाए रखने में मदद की। मंडी संचालक विशाल दुबे के मुताबिक, छठ पर अच्छे कारोबार के बाद अब किसान और व्यापारी शादी–ब्याह के सीजन यानी लगन की तैयारियों में जुट गए हैं। इस दौरान सजावट के लिए फूलों की मांग और बढ़ने की उम्मीद है।

छठ महापर्व पर व्रती महिलाओं ने की सामूहिक आराधना

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में लोक आस्था का पर्व छठ रविवार को दयाल फॉर्म सोसाइटी में उत्साह के साथ मनाया गया। सोसाइटी स्थित श्री हरि शंकरेश्वर महादेव मंदिर परिसर की बजरंग कुटिया में क्षेत्र के निवासियों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से छठ महापर्व मनाया। आयोजन की विशेषता यह रही कि इसका नेतृत्व किसी एक व्यक्ति या समिति ने नहीं, बल्कि सोसाइटी के सभी भक्तों और क्षेत्रवासियों ने मिलकर किया। सभी के सहयोग और आपसी भाईचारे से कार्यक्रम संपन्न हुआ। व्रती महिलाओं ने सुबह से ही पूजा की तैयारियां शुरू कर दी थीं। ठेकुआ, फल और अन्य प्रसाद तैयार करने के बाद महिलाएं अपने परिवार के साथ शाम चार बजे से छठ घाट पहुंचने लगीं। यहां वेदी और महिलाओं ने एक–दूसरे को सिंदूर लगाया। सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि हर वर्ष



पूजन और छठी मैया की आराधना की गई। इसके बाद व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान आतिशबाजी भी की गई पूरी कॉलोनी के लोग मिलकर छठ पर्व मनाते हैं। उन्होंने छठी मैया से सभी परिवारों पर अपनी कृपा बनाए रखने की कामना की।

अखिलेश यादव के खिलाफ होर्डिंग, राममंदिर दौरे से पहले माफी मांगने की मांग

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में होर्डिंग वार का सिलसिला जारी है। रविवार को भाजपा मुख्यालय के बाहर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के अयोध्या दौरे को लेकर होर्डिंग लगाया गया। होर्डिंग के जरिए सपा सरकार के कार्यकाल में निहत्थे कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का मुद्दा उठाया गया। इसमें लिखा गया–'अयोध्या निहत्थे कारसेवकों को नहीं भूली। होर्डिंग में पीडीए का नया फुल फॉर्म भी बताया गया है। इसमें पीडीए का मतलब प्रायश्चित, दर्शन और आशीर्वाद लिखा गया है। भाजपा नेता अभिषेक त्रिपाठी की ओर से यह होर्डिंग लगवाया गया है। अभिषेक ने कहा राम भक्तों पर गोली चलवाने वाले किस मुंह से अयोध्या जा रहे हैं? समाजवादी पार्टी और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पहले अपने पापों का प्रायश्चित करना चाहिए। उनके मुताबिक, प्रभु श्रीराम भी उन्हें माफ नहीं करेंगे। भाजपा नेता ने कहा कि सपा को अब तक प्रभु श्रीराम की याद नहीं आई, लेकिन चुनाव नजदीक आते ही उन्हें राम की याद सताने लगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी जाति और धर्म के नाम पर राजनीति करती है। पार्टी की राम मंदिर और प्रभु श्रीराम में कोई आस्था नहीं है।



संपादकीय

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने–पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्तें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही है। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल–पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने–पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। निस्संदेह, यह चिंताजनक स्थिति जरूर है, लेकिन कुल मिलाकर तस्वीर में कुछ उम्मीद भी नजर आ रही है। वर्ष 2026–27 की दूसरी तिमाही में जीडीपी का 7.7 रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि आम आदमी के लिये यह स्थिति कष्टकारी हो सकती है।



जनाब अब तो चिड़िया चुग गई खेत

ट्रंप ताऊ को भी उम्मीद रही होगी कि हर अमेरिकी को पांच हजार डॉलर का डिविडेंड देने के वादे से वे भी मध्यावधि चुनाव का भवसागर पार कर जाएंगे।

लगता है जी कि ट्रंप ताऊ ने बहुत देर कर दी ज्ञानेश कुमारजी को याद करते–करते। अब तो यही कहा जा सकता है कि अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत या फिर यह कि का वर्षा जब कृषि सुखाने। पर जी, जैसे घर की मुर्गी दाल बराबर होती है और जैसे घर का जोगी जोगड़ा होता है, कुछ–कुछ वैसा ही व्यवहार हम अपनी प्रतिभाओं के साथ हमेशा करते रहे हैं। पर ट्रंप ताऊ ने ऐसा क्यों किया, सवाल तो यह है। अमेरिका में सुना है कि प्रतिभाओं की बड़ी कद्र होती है। वहां तो बड़े पारखी जौहरी पड़े हुए हैं, हीरों की पहचान करने वाले। फिर भी कल उनके साथ यही हो रहा था, जिन्होंने सिलिकॉन वैली में झंडे गाड़े थे, और आज ज्ञानेश कुमारजी के साथ वही हुआ। वरना ट्रंप ताऊ उन्हें याद करने में इतनी देर न करते।

देखिए जनाब, चुनाव आयुक्त तो बहुत हुए हैं। लेकिन ख्याति या तो शेषन को मिली थी, जिनके बारे में यह कहा जाता था कि वे नाश्ते में नेता खाते हैं, या फिर अब ज्ञानेश कुमार को मिली है, जिनके बारे में विपक्ष वाले कहते हैं कि वे एसआईआर की छड़ी घुमाते हैं और करोड़ों मतदाता गायब हो जाते हैं। इसीलिए कहते हैं कि विपक्ष के नेता उनसे बड़ी खार खाए रहते हैं। बताइए, नेताओं का भक्षण करने वाले शेषन से तो वे डरते थे और इनसे खार खाए रहते हैं। यह क्या बात हुई!

खैर, अब ज्ञानेश कुमार से हमारे नेता चाहे कितने ही नाराज रहें, लेकिन ट्रंप साहब तो उनके मुरीद थे। उन पर फिदा थे। हो सकता है कि उनकी एसआईआर की जादुई छड़ी उन्हें बहुत भा गई थी। लगता है कि प्रवासियों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर उनके देश वापस भेजना दुनियावालों को तो पसंद आया नहीं ही था, अमेरिकियों को भी पसंद नहीं आया। ऐसे में उन्हें लग रहा होगा कि ज्ञानेश कुमारजी का जादू काम आ सकता है। सो, ट्रंप ताऊ ज्ञानेश कुमारजी के मुरीद हो गए थे।

और मोदीजी के मुरीद तो वे पहले से ही थे, पर दोस्त होने का दावा ज़्यादा करते थे। लेकिन फिर वे उनकी राजनीति और उनकी चुनावी रणनीति के भी मुरीद हो गए। इसीलिए तो उन्होंने अमेरिकियों को पांच हजार डॉलर का डिविडेंड देने का वादा किया था। क्योंकि जिस तरह से महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार में मोदीजी की महिलाओं के खातों में पैसा डालने की रणनीति ने काम किया और चुनावी जीत दिलाई, वैसे ही ट्रंप ताऊ को भी उम्मीद रही होगी कि हर अमेरिकी को पांच हजार डॉलर का डिविडेंड देने के वादे से वे भी मध्यावधि चुनाव का भवसागर पार कर जाएंगे।

इस भवसागर को पार करने के लिए ही ये ज्ञानेश कुमारजी के भी मुरीद हुए थे। लेकिन बहुत देर कर दी ट्रंप ताऊ ने ज्ञानेश कुमारजी को याद करते–करते। अब तो चिड़िया खेत चुग चुकी। नहीं?

भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद

प्रो. संजय द्विवेदी

भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। भारतीय समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं–भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु लए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग–बलिदान को समाज के सामने लाना रहा।

भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899–1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति–रिवाजों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था।



जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीयी है। प्रकृति का संरक्षण और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में ये आदर प्राप्त कर सके। इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं समाज सुधारक है आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है– "बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ये किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं और कहा, 'यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा।'ये गांव–गांव बीमारों से मिलने जाते थे और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे।"

भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी। जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है।

जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली का पाठ पढ़ाने वाला जनजातीय समाज हमारा गौरव है। हमें उनसे जीवन मूल्य सीखने की जरुरत है। उनकी पारंपरिक कलाओं,प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प सब कुछ बहुत समृद्ध है। इन चर्चाओं के बीच आज भी जनजातीय समाज की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जनजातीय समाज के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुपोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी कई चिंताएं आज भी बनी हुई हैं। फिर उनके विकास योजनाओं के कारण हो रहे उनके विस्थापन की पीड़ा तो है ही। इसलिए विस्थापन को रोकने, ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के साथ पांचवीं और छठी अनुसूची के अनुसार मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों को प्रदान करने के मुद्दे तो सामने हैं ही। जनजातीय गौरव दिवस की सार्थकता तभी है जब हम जनजातियों के जीवन से जुड़े सवालों को हल कर सकें।

जब जवाहरलाल नेहरू ने अपने पिता की आंखें खोलीं

राजीव तिवारी

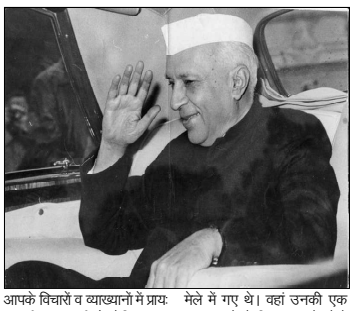
आप बार–बार देश की आजादी की बातें करते हैं, उसके लिए लड़ाई भी लड़ रहे हैं। आपके विचारों व व्याख्यानों में प्रायः उसकी बात आती है, लेकिन उस तोते को पिंजरे में बंद कर आपने उसकी आजादी छीन ली थी और गुलाम बनाकर रख छोड़ा था। मैंने आपकी ही कही आजादी की बातोंसे प्रभावित होकर उसे आजाद कर दिया।

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान दिसंबर, 1921 से मार्च, 1945 तक बीस बार जेल यात्राएं कर जीवन के साढ़े नौ साल जेलों में बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के देश के पहले प्रधानमंत्री होने के अलावा भी कई परिचय हैं। उन्होंने 1944 में अहमदनगर फोर्ट जेल में रहते हुए अप्रैल से सितंबर के बीच के पांच–छह महीनों में अंग्रेजी में जो 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' लिखी, उसके आईने में देखें तो तय करना मुश्किल हो जाता है कि वे बड़े राजनेता थे या बड़े लेखक। प्रसंगवश, विभिन्न भाषाओं में अनूदित हो चुकी 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' इस देश को समग्रता में समझने के लिए आज भी मील के पत्थर सरीखी है। इसमें नेहरू का बड़प्पन इस बात से भी झलकता है कि उन्होंने लिखा है कि वे इसे नहीं लिख पाते, अगर जेल में उन्हें आचार्य नरेंद्र देव का साथ और परामर्श प्राप्त नहीं हुआ होता। तिस पर, यह उनकी इकलौती कृति नहीं है। उनकी आत्मकथा के अलावा 'लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री' जैसी कृति भी उनके खाते में है।

बचपन में पं. नेहरू अपने सख्त स्वभाव वाले पिता मोतीलाल नेहरू को स्वतंत्रता संघर्ष की गतिविधियों में सक्रिय देखते, तो मन ही मन उनके जैसा बनने की कल्पना किया करते। लेकिन उन्हें समझ में नहीं आता था कि आखिर क्यों उनके पिता सारे भारत को तो आजाद कराना चाहते हैं, लेकिन अपने पालतू तोते को पिंजरे में ही कैद किए रखना चाहते हैं। वे उसे बहुत प्यार करने का दावा तो करते हैं, घर के अंदर व बाहर आते–जाते उससे बातें भी किया करते हैं, लेकिन उसे पिंजरे से आजाद करने की नहीं सोचते।

सोचते–सोचते जब वे इस निष्कर्ष पर पहुंच गए कि पिता का इस तरह तोते को पिंजरे में बंद रखना ठीक नहीं है, तो एक दिन उन्होंने यह जानते हुए भी कि इससे पिता नाराज होकर कड़ी सजा देने पर भी उतर सकते हैं, पिंजरा खेलकर तोते को उड़ा दिया। शाम को पिता आए और इस बारे में जानकर घुड़कते हुए पूछा कि तुमने तोते को क्यों उड़ा दिया, तो उनका उत्तर था, 'आप बार–बार देश की आजादी की बातें करते हैं, उसके लिए लड़ाई भी लड़ रहे हैं। आपके विचारों व व्याख्यानों में प्रायः उसकी बात आती है, लेकिन उस तोते को पिंजरे में बंद कर आपने उसकी आजादी छीन ली थी और गुलाम बनाकर रख छोड़ा था। मैंने आपकी ही कही आजादी की बातों से प्रभावित होकर उसे आजाद कर दिया। आखिर बाकी देश के साथ उसको भी तो आजादी की जरूरत थी।' इस पर पिता मोतीलाल से कुछ कहते नहीं बना। उन्होंने उनके सिर पर हाथ रखकर कहा, 'जवाहर, आज तुमने मेरी आंखें खोल दीं।'

दूसरा प्रसंग तब का है, जब प्रधानमंत्री बनने के बाद वे कुंभ मेले में गए थे। वहां उनकी एक झलक पाने के लिए उतावले लोगों की भीड़ में से अचानक एक वृद्धा उनकी कार के सामने आकर चिल्लाने लगी, 'अरे ओ जवाहर! कहां है तू?' तू कहता है कि आजादी मिल गई। पर किसे मिली आजादी? तुझ जैसे मोटर–गाड़ी में घूमने वालों को ही। हम जैसे गरीब लोगोंको कहां मिली आजादी?'



वृद्धा की बातें सुनकर वे कार से उतरकर उसके सामने गए और विनम्र भाव से बोले, 'माता जी! आप पूछ रही हैं कहां है आजादी? मैं बताता हूंआपको। आज आप आजाद हैं इसीलिए अपने देश के प्रधानमंत्री को बेहिचक तू कहकर डांट पा रही हैं।' वृद्धा का गुस्सा शांत हुआ, तो उन्होंने पाया कि उसके असंतोष का कारण यह था कि सरकारी अमला उसकी एक समस्या का समाधान नहीं कर रहा था। उन्होंने उसे उसकी समस्या के समाधान के प्रति आश्वस्त किया, तब आगे बढ़े।उनके परिवार के बारे में आम धारणा है कि वह इतना संपन्न था कि उसके सदस्यों के कपड़े भी पेरिस में धुलने के लिए भेजे जाते थे! लेकिन नेहरू ने कैसी विलासितापूर्ण जीवनशैली अपना रखी थी, इसे जानने के लिए एक वाकये पर नजर डालना दिलचस्प होगा। उनके नाती राजीव गांधी पढ़ने के लिए विदेश गए, तो उनकी बेटी इंदिरा गांधी की कोई नियमित आय नहीं थी। इसलिए इंदिरा के बजाय उन्हें ही राजीव को पैसे भेजने पड़ते थे। एक बार राजीव को कुछ ज़्यादा पैसों की जरूरत पड़ी और उन्होंने इस बाबत उन्हें बताया, तो उन्हें जवाब मिला, 'तुम्हारी परेशानी जानकर पीड़ा हुई। पर मेरा विश्वास करो, मैं जो कुछ तुम्हें भेज पा रहा हूं वही मैं अपने खेतन से अफोर्ड कर सकता हूं। मेरी पुस्तकों की रॉयल्टी भी अब बहुत कम मिलती है। लगता है, अब कम लोग ही मुझे पढ़ते हैं। मगर तुम वहां खाली समय में कोई काम क्यों नहीं करते? मुझे मालूम है कि दूसरे देशों से जाने वाले ज़्यादातर विद्यार्थी वहां काम करते हैं। इस तरह तुम्हें भी शांति रहेगी और मुझे भी।' कहते हैं कि उनकी इस सीख के बाद राजीव ने वहां कई मामूली समझे जाने वाले काम किए और अपना खर्च चलाया। यहां यह भी याद किया जा सकता है कि 1977 के लोकसभा चुनाव में करारी शिकस्त के फलस्वरूप इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री नहीं रहीं, तो लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने कुछ महीनों बाद उनसे हुई एक आत्मीय भेंट में पूछा था, 'इंदु, अब तुम्हारे घर का खर्च कैसे चल रहा है?' तब इंदिरा गांधी ने सहज भाव से बताया था, 'पिताजी की पुस्तकों की रॉयल्टी आ जाती है।'

साफ है कि नेहरू जितने बड़े राजनेता थे, उतने ही बड़े लेखक भी। इसके बगैर वह वैचारिक स्पष्टता उनकी थाती नहीं बन सकती थी।

लोकतंत्र में लोकसेवकों की राजशाही मानसिकता

डा0 एमपी वर्मा

सरकारी खज्जाना किसी राजा या मंत्री का निजी खज्जाना नहीं होता। यह पैसा शासन का है और शासकीय काम के लिए ही उसे खर्च किया जाना चाहिए। शासन का पैसा जनता की धरोहर है और इसे सही ढंग से जनता के हित के लिए ही खर्च किया जाना चाहिए।

लगभग दस साल पुरानी बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के आरा में एक चुनावी रैली में जनता से पूछा था, 'बताइए, कितने का पैकेज दूं?' और फिर खुद ही बोली लगाने वाले अंदाज में उन्होंने साठ हजार करोड़, सत्तर हजार करोड़ कहते हुए सवा लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। दूसरे दिन अखबारों के पहले पन्ने पर बड़े–बड़े अक्षरों में छपा थाकृप्रधानमंत्री ने बिहार की जनता को सवा लाख करोड़ रुपये की सौगात दी।

यह पहली बार नहीं था, जब किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की सौगात देने की घोषणा की थी, और न ही यह आखिरी बार थी। इसके बाद तो प्रधानमंत्री की तर्ज पर सौगात बांटने का यह नुस्खा राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपना लिया। अखबारों में और टीवी पर बड़े–बड़े विज्ञापन देकर इस 'सौगात' की घोषणा की जाती है। ये विज्ञापन देखकर कई बार तो लगता है कि जनता को सौगात देने से ज़्यादा राशि इस घोषणा के विज्ञापनों पर खर्च हो जाती होगी! प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री द्वारा अपने देश या राज्य की जनता को इस तरह के आर्थिक अनुदान देने और इसकी घोषणा करने में कुछ नया नहीं है। कुछ गलत भी नहीं है, सिवाय इसके कि यह राशि, जिसे सौगात कहकर प्रचारित किया जाता है, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों के किसी निजी खाते से नहीं बांटी जाती। तो फिर इसे इस तरह भुनाने की कोशिश क्यों होती है?

था कोई राजे–महाराजाओं का जमाना, जब शासक अपनी प्रजा को खैरात बांटा करते थे। अब न कोई किसी का शासक है और न ही कोई किसी की प्रजा। हमारा भारत अब एक गणतंत्र है, जिसमें कुर्सी पर भले ही कोई बैठा हो, पर असली शासक जनता ही होती है। हर नागरिक का एक वोट है और हर वोट की कीमत समान हैकृवोट चाहे राजा का हो या फकीर का! लेकिन आरा में प्रधानमंत्री द्वारा सौगात देने की उस घोषणा और जिस तरह आज राज्यों के मुख्यमंत्री खैरात बांटने की घोषणाएं करते हैं तथा जनता के हक की राशि को 'सौगात' कहा जाता है, उससे लगता है कि हमारे वोट से सत्ता संभालने का अधिकार पाने वाले हमारे 'शासक' शायद स्वयं को राजा–महाराजाओं जैसा शासक ही मानने लगे हैं। हाल ही में दशहरे के अवसर पर एक भूतपूर्व राजा ने राजाओं जैसी वेशभूषा पहनकर शायद यही दिखलाना चाहा था कि वे अब भी राजा हैं! देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को जनता का सेवक बताया था। अब भी प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं को



जनता का सेवक तो बताते हैं, पर उनकी सोच और व्यवहार उन राजाओं जैसा ही दिखता है, जो स्वयं को अपनी प्रजा का पालक मानते थे। राजधानी दिल्ली में कई–कई एकड़ में फैले मंत्रियों के बंगले भी इसी बात की गवाही देते हैं कि जनतांत्रिक देश के ये नए शासक स्वयं को राजाओं जैसा ही देखते–समझते हैं। इसीलिए खैरात बांटते हैं, सौगात देते हैं!

केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दी जाने वाली राशि अथवा मुख्यमंत्रियों द्वारा राज्य की जनता के विकास के लिए खर्च की जाने वाली राशि जनता का अधिकार है। इसलिए, जब कोई शासक जनता से पूछता है कि बोलो, कितने पैसे दूं, और फिर इस दी गई राशि को 'सौगात' कहकर प्रचारित करता है, तो यह बात छिपी नहीं रहती कि उसकी मानसिकता वही राजा–महाराजाओं वाली है, जो यह मानते थे कि उन्हें ईश्वर ने शासन करने के लिए ही भेजा है। इन नए राजाओं के पास राजमहल भले ही न हों, पर वे अपने आवास को महलों जैसा अवश्य समझते हैं और वैसा ही बनाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार जब दिल्ली में बनी थी, तो मुख्यमंत्री के लिए जो आवास बनाया–सजाया गया था, उसे 'शीशमहल' ही कहा जाने लगा था। जब इन नए शासकों के काफिले सड़क पर चलते हैं, तो अजीब–सा नजारा बन जाता है। आठ–दस कारों का काफिला लेकर चलते है हमारे मंत्री। सायरन बजाती उनकी कारें जब निकलती हैं, तो पदयात्री तो घबरा ही जाते हैं!

लोकतंत्र में जनता अपना शासक चुनती है। यह चुनाव होता भले ही शासन करने के लिए है, पर अपेक्षा यह होती है कि हमारा यह चुना हुआ प्रतिनिधि शासक की तरह नहीं, बल्कि सेवक की तरह जनता के हित में काम करेगा। सच्चाई यह भी है कि हमारे ये नए शासक कहते तो यही हैं कि वे जनता के सेवक हैं, पर उनकी सोच और मानसिकता इसके विपरीत ही दिखाई देती है। चुनावी सभाओं में की जाने वाली घोषणाएं और खैरात बांटना हमारे शासकों की मानसिकता को ही दर्शाता है। हमारे चुने हुए प्रतिनिधि अच्छे ढंग से रहें और उन्हें उचित एवं समुचित साधन उपलब्ध हों, इससे किसी को इनकार नहीं होगा। पर जब ये प्रतिनिधि राजशाही वाले शासकों की मानसिकता के साथ जीने लगते हैं, तो उन्हें यह कहने का मन तो करता ही है कि आप राजा नहीं हैं, जनता के सेवक हैं। आपसे एक ईमानदार सेवक की तरह काम करने की अपेक्षा है। टीवी चौनलों और अखबारों में बड़े–बड़े (महंगे) विज्ञापन देकर हमारे ये प्रतिनिधि जब यह अहसास कराते हैं कि विकास के लिए दी गई राशि उनकी कृपा का फल है, तो हैरानी भी होती है और क्षोभ भी। यह राशि पाना जनता का अधिकार है और यह राशि जुटाना जनतांत्रिक सरकार का कर्तव्य है। सरकार का काम है ऐसी नीतियां बनाना और उन्हें लागू करना, जो जनता के हित में हों। ऐसे में यदि कोई मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री यह समझने–मानने लगता है कि सरकारी खज्जाना उसकी संपत्ति है और वह जिस तरह चाहे उसे खर्च कर सकता है, तो यह उसकी नादानी ही नहीं, बल्कि एक हद तक नासमझी भी होगी। सरकारी खज्जाने को क्या समझकर और किस तरह खर्च किया जाना चाहिए, इसका एक उदाहरण हमें अपने इतिहास में मिलता है।

जनजातीय गौरव दिवस का किया गया आयोजन

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। कलेक्ट्रेट में समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में आदिवासियों के महानायक भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर भारत सरकार द्वारा उद्घोषित जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन धूमधाम और हर्षोल्लासपूर्वक किया गया। उक्त अवसर पर गढ़चिरौली, महाराष्ट्र में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी के संबोधन से हुआ।

कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री माननीय देवेंद्र फडणवीस, उप मुख्यमंत्री माननीय एकनाथ शिंदे, देश



के जनजातीय कार्यमंत्री माननीय जु.एल. उरांव तथा जनजातीय राज्यमंत्री माननीय दुर्गादास जी का संबोधन सारगर्भित रहा।

उपरोक्त सभी वक्ताओं ने भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विशेष प्रकाश डालते हुए भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में आदिवासियों के असीम योगदान के लिए सम्मान प्रकट करते हुए उनके आदर्शों का अनुकरण करने के लिए देशवासियों को प्रेरित किया। उसी क्रम में देवरिया कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (छज्) के माध्यम से जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास), देवरिया रामजनम के आह्वान पर भारतवर्षीय गोंड आदिवासी महासभा, देवरिया के यशस्वी जिलाध्यक्ष मुंशी प्रसाद गोंड, जिला मीडिया प्रभारी जयनन्द प्रसाद गोंड, निर्भय गोंड, विशाल गोंड, अंबिका गोंड, प्रमोद गोंड, राम निरंजन गोंड, दरोगा गोंड तथा हृदयानंद गोंड सहित जनजातीय समुदाय के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

कल सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं, कार्यालय सामान्य रूप से खुलेंगे

देवरिया। लोक हस्तक्षेप समाचार । जनपद में कल सोमवार को कोई सार्वजनिक अवकाश घोषित नहीं किया गया है। अतः जनपद के समस्त शासकीय कार्यालय पूर्व निर्धारित समयानुसार सामान्य रूप से खुले रहेंगे तथा कार्यालयों में शासकीय कार्य यथावत संपादित किए जाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा जनसामान्य एवं समस्त अधिकारियों–कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि वे किसी भी प्रकार की अवकाश संबंधी अफवाहों पर ध्यान न दें।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा पर विकास भवन में लगी प्रदर्शनी, जिला पंचायत अध्यक्ष ने फीता काटकर किया उद्घाटन

देवरिया। लोक हस्तक्षेप समाचार । सूर्य उपासना एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के पावन अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद देवरिया के विकास भवन परिसर में विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रदर्शनी का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद ने फीता काटकर किया।

उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विभिन्न विभागों एवं सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित प्रदर्शित जानकारियों का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया तथा योजनाओं के उद्देश्य, लाभ और क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहाकि छठ पर्व हमारी आस्था, संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक समरसता, स्वच्छता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता का संदेश देता है। ऐसे पावन अवसर पर विकास प्रदर्शनी का आयोजन जनसामान्य तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास है।

उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे विकास भवन परिसर में आयोजित इस प्रदर्शनी का अवश्य अवलोकन करें तथा यहां प्रदर्शित योजनाओं एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। सरकार द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण एवं उत्थान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना ही उद्देश्य है। यह प्रदर्शनी मंगलवार तक विकास भवन परिसर में रहेगी।

छठ घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का एएसपी ने लिया जायजा, चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रही पुलिस



संवाददाता

कुशीनगर। छठ महापर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए कुशीनगर पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और घाटों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ के मद्देनजर रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ वर्मा ने थाना रविन्द्रनगर धूस क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बताते चलें पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में हुए इस निरीक्षण के दौरान एएसपी ने घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए उन्होंने यातायात संचालन, वाहनों की पर्याप्त पार्किंग, मजबूत बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती तथा एम्बुलेंस एवं चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता का जायजा लिया। साथ ही भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को भी परखा। वहीं एएसपी श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को विशेष सतर्कता, संवेदनशीलता एवं अनुशासन के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा किसी भी अप्रिय घटना अथवा आपात स्थिति में तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निर्वाचक नामावली का प्रकाशन मंगलवार को, जिलाधिकारी ने प्रिंटिंग कार्य समय से पूर्ण करने के दिए निर्देश

देवरिया। लोक हस्तक्षेप समाचार । जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने रविवार को सायंकाल विधानसभा निर्वाचन की मतदाता नामावली के प्रिंटिंग कार्य का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी भुजौली कॉलोनी स्थित प्रिंटिंग कार्य से जुड़े केंद्र पर पहुंचे और अब तक हुई प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करते हुए मंगलवार से पूर्व हर हाल में पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में विलंब की स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने



यह भी निर्देश दिया कि कार्य में पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी भुजौली कॉलोनी स्थित प्रदीप फोटोकॉपी के प्रिंटिंग स्थल पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सभी तहसीलों को उपलब्ध कराई जाने वाली निर्वाचक नामावलियों की प्रिंटिंग कर दी गई है। मंगलवार को निर्वाचक नामावली का प्रकाशन होना है। इसके दृष्टिगत उन्होंने प्रकाशन से पूर्व सभी आवश्यक निर्वाचक नामावलियों की प्रिंटिंग अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान एएसडीएम अखिलेश कुमार यादव, तहसीलदार अलका सिंह सहित निर्वाचन कार्यालय के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजा परीक्षित और ध्रुव चरित्र का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता

प्रतापगढ़। बरहुआ भोजपुर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन वृंदावन धाम से पधारे कथा व्यास आचार्य पं. सत्यम जी महाराज ने राजा परीक्षित चरित्र, ध्रुव चरित्र, कलि पावन और विदुर प्रसंग का संगीतमय वर्णन किया। कथा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।कथा व्यास ने कहा कि राजा परीक्षित ने मृत्यु का समय निश्चित होने के बाद भी अपना पूरा समय भगवान की भक्ति और भागवत श्रवण में लगाया। शुकदेव जी महाराज के मुखारविंद से भागवत कथा सुनकर उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया। वहीं ध्रुव चरित्र का वर्णन करते



हुए कहा कि बालक ध्रुव ने अपमान से विचलित हुए बिना कठोर तपस्या की और अपनी अटूट भक्ति से भगवान नारायण को प्रसन्न कर उनका साक्षात्कार किया। भगवान ने उन्हें अटल ध्रुव पद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और भक्ति से भगवान को प्राप्त किया जा सकता है। कथा के दौरान भजन–कीर्तन से पूरा पंडाल भक्तिमय बना रहा। इस मौके पर मुख्य यजमान रवीन्द्र प्रताप सिंह, दुर्गावती सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

लोक आस्था और श्रद्धा के साथ अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य, व्रतियों ने की सुख–समृद्धि की कामना

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ सलेमपुर क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। हिरण्यानवी नदी (छोटी गंडक) के तट स्थित नदावर घाट पर रविवार को बड़ी संख्या में छठ व्रतियों ने पहुंचकर डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख–समृद्धि, आरोग्य तथा खुशहाली की कामना की।सलेमपुर, भटनी, रूद्रपुर, देवरिया, रामपुर कारखाना के नदी, पोखरों व कृत्रिम घाटों पर सुबह से ही तैयारियां शुरू हो गई थीं। व्रती महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज–धजकर फल, फूल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाट पर पहुंचीं। जैसे ही सूर्यदेव अस्ताचल की ओर बढ़े, व्रतियों ने कमर तक जल में खड़े होकर विधि–विधान से अर्घ्य दिया। इस दौरान छठी मइया के पारंपरिक गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने भी दिया अर्घ्य।

नदावर घाट पर उत्तर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने भी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया और क्षेत्रवासियों के सुख–समृद्धि की कामना की। उनके पहुंचने पर घाट पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।सलेमपुर तहसील क्षेत्र के नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं ने सूर्य उपासना व लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में अस्तगामी सूर्य को अर्घ्य दिया।छठ पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति, सूर्य और जल के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अनुपम पर्व है।



इसमें डूबते और उगते सूर्य दोनों की उपासना की जाती है। यह परंपरा जीवन में समानता, संयम, शुद्धता और प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है।मान्यता है कि छठी मइया की आराधना से परिवार में सुख–शांति, संतान की लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

डूबते सूर्य को व्रती महिलाओं ने दिया प्रथम अर्घ्य

संवाददाता

मंसाछापर, कुशीनगर। जनपद के विशुनपुरा ब्लॉक क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा को लेकर रविवार की शाम श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला।

बताते चलें ग्राम पंचायत माघी कोठिलवा, बाजूपट्टी सहित आसपास के गांवों में छठ घाटों पर व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी चार दिवसीय छठ महापर्व के तीसरे दिन रविवार की शाम व्रती महिलाओं ने पूरे विधि–विधान और पारंपरिक रीति – रिवाज के साथ अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ्य अर्पित किया। छठ घाटों पर दीपों की जगमगाहट, छठी मैया के मधुर गीतों और भक्तिमय माहौल ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के रंग में रंग दिया दोपहर बाद से ही व्रती महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों के साथ बांस के सूप और दउरा में ठेकुआ, गन्ना, नारियल, केला सहित विभिन्न प्रकार के फल और पूजा सामग्री सजाकर छठ घाटों की ओर रवाना हुईं। सूर्यास्त के समय महिलाओं ने पानी में खड़े होकर दूध और जल से भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया तथा छठी मैया की विधिवत पूजा–अर्चना की इस दौरान व्रती महिलाओं ने छठी मैया से अपने परिवार की सुख–समृद्धि, बच्चों की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और घर–परिवार में खुशहाली की कामना किया। वहीं गांव और समाज में शांति, तरक्की एवं समृद्धि बनी रहे, इसके लिए भी श्रद्धालुओं ने प्रार्थना की विशुनपुरा ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में छठ पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और चारों तरफ गूंजते छठी मैया के गीतों ने आपसी प्रेम, एकता और सामाजिक सौहार्द का सुंदर संदेश दिया।

चित्रगुप्त मंदिर के मंहथ ने मुख्यमंत्री से लगायी जान-माल के सुरक्षा की गुहार

संवाददाता

कुशीनगर। जिस मंदिर में आस्था, पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज होनी चाहिए, वहां यदि महंत को अपनी और परिवार की जान बचाने के लिए पुलिस की शरण लेनी पड़े तो यह मामूली विवाद नहीं, बल्कि कानून–व्यवस्था और धार्मिक स्थल की शांति से जुड़ा गंभीर सवाल है।पडरौना स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में चित्रगुप्त पूजन के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है। मंदिर के महंत अजय श्रीदास ने सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हाथ जोड़कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रकाश श्रीवास्तव पर विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में उनके खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां कर लोगों को उकसाने तथा उनकी हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है।

वायरल वीडियो में मंहथ अजय श्रीदास ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा है कि वह पिछले दो दशकों से श्री चित्रगुप्त मंदिर की सेवा, पूजा–पाठ, देखरेख, रखरखाव और निर्माण कार्य कराते आ रहे हैं, लेकिन आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में उनके खिलाफ कथित तौर पर झूठे, निराधार और आपत्तिजनक संदेश प्रसारित कर लोगों को भड़काया जा रहा है। महंत ने इसे अपनी जान के लिए गंभीर खतरा बताते हुए हत्या की साजिश तक का आरोप लगाया है।महंथ के अनुसार 11 नवंबर को प्रत्येक वर्ष की परंपरा के भांति मंदिर परिसर में सामूहिक चित्रगुप्त पूजन, अखंड रामायण, हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। धार्मिक कार्यक्रम अपने समापन की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान मुन्ना



कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक प्रमोद श्रीवास्तव प्रियदर्शनी मंदिर पहुंचे और उनके साथ कथित तौर पर अभद्रता करते हुए गाली–गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते वहां पहले से मौजूद उनके परिचित लोग भी जुट गए। अजय श्रीदास का आरोप है कि एकत्रित लोगों ने उनके पुत्र पर हमला करने के लिए दौड़ा दिया। जान बचाने के लिए उनका पुत्र मंदिर से बाहर भागा। उन्होंने सभासद प्रमोद श्रीवास्तव और अतुल श्रीवास्तव पर भी लोगों को उकसाने में शामिलें होने का आरोप लगाया है। हमलावरों के बढ़ते कदम, जान बचाने के लिए पुलिस की शरण..... मंहथ का दावा है कि इसके बाद आक्रोशित लोग उनकी तरफ भी बढ़ने लगे। स्थिति की गंभीरता भांपकर वह तत्काल मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के पास पहुंचे। हालात बिगड़ते देख पुलिसकर्मियों ने सिटी इंचार्ज को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सिटी इंचार्ज ने हस्तक्षेप कर किसी तरह आक्रोशित लोगों को शांत कराया। महंत के मुताबिक, पुलिस के हस्तक्षेप से बड़ा अनहोनी टल सका।

मुख्यमंत्री से भावुक अपील, आखिर कब मिलेगी सुरक्षा ?..... घटना से आहत अजय श्रीदास ने कहा है कि इस पूरे घटनाक्रम से उनका परिवार भयभीत और सहमा हुआ है। उन्हें अपनी और अपने पुत्र की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सता रही है। वायरल वीडियो में उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हाथ जोड़कर अपील की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और उन्हें तथा उनके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए। ऐसे में कहना मुनासिब होगा कि प्रकाश श्रीवास्तव ने वाटसप ग्रुपों में मंहथ के खिलाफ आपत्तिजनक संदेश प्रसारित कर लोगों को उकसाया है, अगर हां तो प्रकाश श्रीवास्तव के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही होना स्वभाविक है। अब देखना दिलचस्प होगा कि प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित किए गए कथित आपत्तिजनक संदेशों की जांच होगी ? क्या धार्मिक आयोजन के दौरान हुए प्रमोद श्रीवास्तव प्रियदर्शनी द्वारा किए गये कथित हंगामे और हमले की कोशिश के आरोपों की निष्पक्ष पड़ताल होगी ? क्या महंत की सुरक्षा संबंधी आशंका को प्रशासन गंभीरता से लेगा या किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही जिम्मेदारों की नींद टूटेगी ? फिलहाल वायरल वीडियो के बाद साधू संतों में रोष व्याप्त है। उन्होंने भी मुख्यमंत्री से साधू–संतों की सुरक्षा और सम्मान की अपील किया है।

पत्रकारों और समाजहित के सच्चे शुभचिंतक हैं सूर्य प्रताप शाही : राजू प्रसाद श्रीवास्तव

पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना और खबरों के माध्यम से उजागर कमियों को दूर कराना उनकी कार्यशैली की विशेषता है : राजू

संवाददाता

महराजगंज। देवरिया (पथरदेवा) व कुशीनगर क्षेत्र के निजी विद्यालयों के पूर्व शिक्षक प्रधानाध्यापक रहे, राजू प्रसाद श्रीवास्तव ने जनपद देवरिया सहित विधानसभा 338 पथरदेवा और प्रदेश भर के पत्रकार बंधुओं के बीच अपनी बात साझा करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की कार्यशैली और पत्रकारों के प्रति उनके व्यवहार की सराहना किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सूर्यप्रताप शाही प्रदेश के योग्य, अनुभवी और व्यवहार कुशल नेताओं में से एक हैं। उनकी राजनीतिक परिपक्वता के साथ–साथ समाज के विभिन्न वर्गों के प्रति संवेदनशीलता भी उनकी अलग पहचान बनाती है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है। पत्रकारों का दायित्व केवल समाचार प्रकाशित करना नहीं, बल्कि आम जनता की समस्याओं को सार्वजनिक करना, प्रशासनिक कमियों को उजागर करना और समाज को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना भी है। इस कार्य के दौरान कई बार पत्रकारों को कठिन परिस्थितियों और अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का रवैया पत्रकारों के प्रति सकारात्मक और सम्मानजनक देखने को मिला है।

उन्होंने कहा कि कई अवसरों पर मीडिया कर्मियों की ओर से



तीखे सवाल भी पूछे जाते हैं और कभी–कभी बातचीत में असहज परिस्थितियां भी उत्पन्न होती हैं, लेकिन श्री शाही पत्रकारों के साथ प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध की भावना रखने के बजाय संवाद और सहयोग का रास्ता अपनाते दिखाई देते हैं। यही एक अनुभवी जनप्रतिनिधि की पहचान है।

वहीं राजू प्रसाद श्रीवास्तव ने विशेष रूप से कहा कि जनपद देवरिया और विधानसभा पथरदेवा के पत्रकारों के साथ किसी प्रकार की अभद्रता या समस्या सामने आने पर सूर्य प्रताप शाही गंभीरता से संज्ञान लेते हैं। अपने पैतृक क्षेत्र से जुड़े पत्रकारों की समस्याओं को सुनना और उनके सम्मान की रक्षा के लिए संबंधित लोगों के सामने मजबूती से पक्ष रखना उनकी कार्यशैली का महत्वपूर्ण पहलू है।

उन्होंने कहा कि किसी पत्रकार की खबर में यदि व्यवस्था की कमी या जनहित से जुड़ी कोई समस्या उजागर होती है तो उसे व्यक्तिगत आलोचना मानने के बजाय सुधार का अवसर समझना चाहिए। श्री शाही खबरों को संज्ञान में लेकर कमियों को दूर कराने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि पत्रकारों के बीच उनके प्रति सकारात्मक धारणा बनी हुई है। श्री श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि बड़े आयोजनों, सार्वजनिक कार्यक्रमों और त्योहारों पर कृषि मंत्री पत्रकार बंधुओं को शुभकामनाएं देना नहीं भूलते। उनके कार्यकर्ताओं का भी पत्रकारों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार देखने को मिलता है। अंत में उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और पत्रकार एक–दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो महत्वपूर्ण सहयोगी हैं। पत्रकारों का सम्मान और उनकी आवाज को महत्व देना समाजहित में एक सराहनीय पहल है।

पूर्वांचल के विकास के पर्याय पुरुष बाबू गेंदा सिंह को पुण्यतिथि पर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

सर्वेदाता

कुशीनगर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्वांचल में विकास के पर्याय रहे स्वर्गीय बाबू गेंदा सिंह की पुण्यतिथि पर रविवार को बनरहा मोड़ स्थित किसान डिग्री कॉलेज परिसर में स्थापित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक योगदान को याद किया।

वहीं इस दौरान श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहा कि बाबू गेंदा सिंह का संपूर्ण सार्वजनिक जीवन किसानों, गरीबों और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहा। उन्होंने गन्ना, गरीबी और गंडक से जुड़ी समस्याओं को लेकर निरंतर संघर्ष किया तथा किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आजीवन प्रयासरत रहे। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और जनसेवा की भावना से ओतप्रोत था। उनके द्वारा क्षेत्र के विकास और किसानों के हित में किए गए कार्यों को सदैव याद किया जाता रहेगा।

उन्होंने कहा कि बाबू गेंदा सिंह का संघर्षपूर्ण जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

4000 करोड़ नहीं, 800 करोड़ से भी कम में बनी रामायण पार्ट 1



रणबीर कपूर और यश स्टारर रामायण के दोनों भागों के लिए 4000 करोड़ रुपये के भारी–भरकम बजट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इस बीच, फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने अपनी हालिया पोस्ट में दावा किया है कि इस फ्रेंचाइजी का पहला भाग 800 करोड़ रुपये से कम में बना है। रविवार को उन्होंने माइक्रो–ब्लॉगिंग साइट पर लिखा, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस के सभी रिकॉर्ड्स तोड़ रही है और भारतीय सिनेमा के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी हिट बनने की ओर तेजी से बढ़ रही है।

फिर भी, कुछ ईर्ष्यालु लोग यह शोर मचा रहे हैं कि इसकी कमाई काफी नहीं है, क्योंकि दोनों भागों का कुल बजट 4000 करोड़ (2000 करोड़ प्रति भाग) है। मुझे पता चला है कि इंपार्ट 1 की वास्तविक लागत 800 करोड़ रुपये से थोड़ी कम है। इसमें आपसी फायदे वाले सौदे, ग्लोबल टैक्स बेनिफिट्स और सब्सिडी जैसी चीजें शामिल हैं, जो अंततः इसकी लागत को और भी कम कर देंगी। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि कोई भी अनुभवी फिल्म निर्माता फिल्म देखकर समझ सकता है कि इसकी लागत इससे ज्यादा नहीं हो सकती। आरजीवी ने यह भी कहा कि यह सोचना नादानी होगी कि दोनों भागों की लागत एक समान होगी। उन्होंने आगे कहा, यह वैसा ही है जैसे कोई सोचे कि किसी फिल्म में इंटरवल से पहले और इंटरवल के बाद की लागत एक जैसी होगी। मुझे ऐसी फिल्मों के बारे में पता है, जिनमें कुल बजट का 50: हिस्सा सिर्फ क्लाइमैक्स पर खर्च हुआ था।

इसके अलावा, श्रामायणश की दुनिया बनाने में भी काफी खर्च आया है, जो भविष्य में गेमिंग और अन्य चीजों के लिए एसेट (संपत्ति) का काम करेगी। इसमें पार्ट 2 के लिए जरूरी एसेट्स भी शामिल हैं, जो नमित (मल्होत्रा) की दूरदर्शी योजनाओं का हिस्सा हैं। सत्या के निर्देशक ने आगे कहा कि श्रामायण पार्ट 1श के मौजूदा बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन को देखते हुए, नमित मल्होत्रा शायद सिर्फ पहले भाग की कमाई से ही श्रामायण पार्ट 1 या फिर दोनों भागों की पूरी लागत वसूल कर लें। उन्होंने आगे कहा, नमित मल्होत्रा अपना खुद का पुष्पक विमान बना सकते हैं और अनगिनत असाधारण प्रोजेक्ट्स में पैसा लगा सकते हैं। ऐसा कुछ जो उत्तर से लेकर दक्षिण तक की सबसे बड़ी प्रोडक्शन कंपनियां भी अब तक नहीं कर पाई हैं। इस तरह, वे हॉलीवुड की सबसे बड़ी हस्तियों को भी पीछे छोड़ सकते हैं। 5 नवंबर 2026 को रिलीज हुई श्रामायणरु पार्ट 1श ने अब तक दुनिया भर में 1,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई कर ली है।

इंडस्ट्री में नई थीं स्वरा भास्कर, डायरेक्टर ने की थी गलत हरकत



फिल्म इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों में कई कलाकारों को ऐसे अनुभवों से गुजरना पड़ता है, जिनके बारे में वे उस समय खुलकर बात भी नहीं कर पाते। कई बार उन्हें यह तक समझ नहीं आता कि उनके साथ जो हुआ, वह गलत था। ऐसा ही एक कड़वा अनुभव बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने शेयर किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह अपने करियर की शुरुआत कर रही थीं और उनकी उम्र करीब 20 साल थी, तब एक फिल्म के डायरेक्टर ने उनके साथ ऐसी हरकत की थी, जिसे वह उस वक्त यौन उत्पीड़न के तौर पर समझ ही नहीं पाई थीं। सालों बाद मीटू आंदोलन के दौरान दूसरी महिलाओं के अनुभव पढ़कर उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ भी वर्कप्लेस पर यौन उत्पीड़न हुआ था।

हाल ही में द फ्री प्रेस जनरल को दिए इंटरव्यू में स्वरा भास्कर ने अपने करियर के शुरुआती दिनों की इस घटना के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि साल 2011 में वह मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। उस समय उनकी उम्र करीब 20 साल थी और वह इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, उस वक्त उनका फिल्मी दुनिया में कोई गॉडफादर नहीं था। न ही उनकी किसी बड़े कलाकार या फिल्ममेकर से जान–पहचान थी और न ही कोई ऐसा था, जिससे वह मदद मांग सकें। वह अपने दम पर इंडस्ट्री में आई थीं और मेहनत के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश कर रही थीं। स्वरा ने बताया कि फिल्म की शूटिंग आउटडोर लोकेशन पर हो रही थी। ऐसे माहौल में वह पहले से ही थोड़ी असहज महसूस कर रही थीं। इसी दौरान फिल्म के डायरेक्टर ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। हालांकि, उस वक्त उन्हें समझ नहीं आया कि यह यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। एक्ट्रेस ने बताया कि डायरेक्टर ने उन्हें शारीरिक रूप से छुआ नहीं था, इसलिए शुरुआत में वह इस घटना को उस नज़रिए से देख ही नहीं पाईं। उन्हें काफी समय बाद समझ आया कि किसी को बिना छुए भी उसके साथ गलत व्यवहार किया जा सकता है और यह कार्यस्थल पर होने वाला यौन उत्पीड़न हो सकता है।

पति को खोने के बाद छलका मौसमी चटर्जी का दर्द



दिग्गज अभिनेत्री मौसमी चटर्जी ने अपने पति जयंत चटर्जी के निधन के बाद प्राइवेसी की अपील की है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे उन्हें और उनकी बेटी को इस मुश्किल दौर से उबरने के लिए थोड़ा समय और स्पेस दें। सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा करते हुए, मौसमी ने अपने पति के निधन की पुष्टि की और प्रार्थनाओं व समर्थन के लिए सभी का आभार जताया। उन्होंने लिखा, मेरे पति जयंत–जिन्हें सभी प्यार से बाबू कहकर बुलाते थे– अब हमारे बीच नहीं रहे। मेरी बेटी और मुझे इस कठिन समय से बाहर आने के लिए थोड़ा समय और स्पेस दें। आपकी प्रार्थनाओं और समर्थन के लिए हम सच में आभारी हैं। जयंत मुखर्जी ने 12 नवंबर को अंतिम सांस ली। मुंबई स्थित अपने घर पर उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण उनका निधन हो गया। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज के अध्यक्ष बीएन तिवारी ने एएनआई को उनके निधन की पुष्टि करते हुए बताया कि जयंत कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन के बाद, उनकी बेटी मेघा ने एक बयान जारी कर बताया कि उनकी याद में 15 नवंबर को एक प्रार्थना सभा (प्रेयर मीट) आयोजित की जाएगी। बयान में कहा गया, बहुत दुख के साथ हम अपने पिता, श्री जयंत हेमंत मुखर्जी के 12 नवंबर 2026 को निधन की खबर साझा कर रहे हैं।

15 नवंबर 2026, रविवार को श्री खटवारी दरबार, 366 श्री खटवारी दरबार मार्ग, लिंकिंग रोड, खार वेस्ट, मुंबई 400052 में एक प्रार्थना सभा रखी गई है। समय शाम 5.30 से 7.30 बजे तक। अपने करीबियों के बीच बाबू के नाम से मशहूर जयंत, जाने–माने गायक और संगीतकार हेमंत कुमार के बेटे थे। उन्होंने फिल्म और टेलीविजन प्रोड्यूसर के तौर पर काम करते हुए मनोरंजन जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। वे मजाक (1975) और दो लड़के दोनों कड़के (1979) जैसी फिल्मों से जुड़े रहे। उनके टेलीविजन कार्यों में धारावाहिक तलाश (1992) भी शामिल है।

रश्मि देसाई से तलाक के 10 साल बाद फिर दूल्हा बने नंदीश संधू, कविता बनर्जी संग बंगाली रीति–रिवाज से की शादी



रश्मि देसाई के एक्स हस्बैंड अभिनेता नंदीश संधू ने अपने निजी जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। उन्होंने शनिवार, 14 नवंबर को कोलकाता में एक पारंपरिक बंगाली विवाह समारोह में अभिनेत्री कविता बनर्जी से शादी की। 2025 में सगाई करने वाले इस जोड़े ने अपने करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी की रस्में पूरी कीं। शादी के जश्न दो दिनों तक चले, जिसकी शुरुआत 13 नवंबर को हुई। इन आयोजनों में सगाई, संगीत और हल्दी की रस्में शामिल थीं। इस मौके पर कविता ने पारंपरिक बंगाली दुल्हन का रूप अपनाया और लाल व क्रीम रंग की बनारसी सिल्क साड़ी पहनी। नंदीश ने क्रीम रंग की सिल्क धोती और कुर्ता पहनकर उनके लुक को बखूबी पूरा किया। शादी के कार्यक्रमों की शुरुआत 13 नवंबर को सगाई और संगीत समारोह से हुई, जिसके बाद 14 नवंबर की सुबह हल्दी की रस्म हुई।

इस जोड़े ने शाम को पारंपरिक बंगाली रीति–रिवाजों से शादी के बंधन में बंधकर एक–दूसरे का हाथ थामा। नंदीश और कविता की शादी, सितंबर 2025 में हुई उनकी रोका सेरेमनी के एक साल से भी अधिक समय बाद हुई है। यह नंदीश सिंह संधू की दूसरी शादी है। इससे पहले एक्टर की शादी टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई से हुई थी। दोनों ने 2012 में शादी की थी, लेकिन 2016 में उनका तलाक हो गया। आपको बता दें कि नंदीश और रश्मि नाटक उतरन के सेट पर मिले थे। साथ में काम करते हुए दोनों की नजदीकियां बढ़ती चली गईं और दोनों एक–दूसरे के प्यार में पड़ गए। इसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला लिया

गुमनामी में खोया ये हैंडसब एक्टर, हाथ जोड़कर बोला- बॉलीवुड में मुझे कोई काम दे दो



अभिनेता शरत कपूर, जिनके अपने पालतू जानवरों को एक एनिमल वेलफेयर सेंटर (पशु कल्याण केंद्र) भेजने वाले वीडियो सामने आए थे, उन्होंने बताया है कि बार्सिलोना में फुटबॉल खेलते समय उन्हें चोट लग गई है। शुक्रवार को उस एनिमल वेलफेयर एनजीओ ने अपने इंस्टाग्राम पर एक और वीडियो शेयर किया, जिसमें अभिनेता कैमरे के सामने बात करते हुए बता रहे हैं कि उन्हें अपने कुत्तों को एनजीओ में भेजने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। वीडियो में उन्होंने कहा–आज मैं थोड़ा दुखी हूं क्योंकि मेरे 4 बच्चों (पालतू जानवरों) को एक अच्छी जगह भेज दिया गया है। लेकिन मैं इस सेंटर से गुजारिश करना चाहता हूं कि मैं बस काम की तलाश में हूं। मुझे आपके सपोर्ट की जरूरत है, और मुझे पता है कि आपने हमेशा अपने आस–पास के लोगों का साथ दिया है। इसलिए अगर आप मुझे सपोर्ट कर सकें तो मैं आपका बहुत आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा–मुझे बस थोड़े से नैतिक समर्थन (मोरल सपोर्ट) की भी जरूरत है। मैं एक बेहतरीन अभिनेता हूं और आप यह अच्छी तरह जानते हैं। पैसे की कोई समस्या नहीं है। बात बस इतनी है कि मैं फिर से काम शुरू करना चाहता हूं।

शायद जनवरी से मैं फिर से काम शुरू कर दूं। जब उनसे उनकी सेहत के बारे में पूछा गया, तो अभिनेता ने कहा–मैं बेवकूफों की तरह बार्सिलोना में फुटबॉल खेलने चला गया। टीम में बड़े–बड़े खिलाड़ी थे। मुझे लगा कि मैं भी कोई बहुत तगड़ा खिलाड़ी हूं। अचानक मुझे लगा कि मैं मेसी बन गया हूं! खेल के दौरान एक खिलाड़ी का पैर मेरे पैर से टकरा गया। जैसे ही उसका पैर मेरे पैर से लगा, मुझे समझ आ गया कि मुझे काफी गहरी चोट लगी है। उन्होंने जनवरी में फिर से काम पर लौटने के बारे में भी बात की। उन्होंने आगे कहा–यह सभी के लिए एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। आज के समय में भारत में 140 करोड़ से ज्यादा लोग हैं। और यह तो पूरी दुनिया के लिए है। नेटफ्लिक्स कम से कम 5 से 7 अरब लोगों तक पहुंचता है। इसलिए यह एक बहुत बड़ा मौका है। अगर मुझे ऑटीटी पर काम करने का मौका मिलता है, तो मुझे बहुत खुशी होगी।

सिर्फ वजन ही नहीं बढ़ाता मोटापा, शरीर को इन बीमारियों का बना सकता है शिकार

बढ़ता वजन सिर्फ आपकी शारीरिक बनावट को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि सेहत के लिए भी कई परेशानियां खड़ी कर सकता है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो रहा है, तो इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। मोटापा टाइप–2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों समेत कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ा सकता है। खराब खानपान, शारीरिक गतिविधियों की कमी, तनाव, नींद की कमी और कुछ स्वास्थ्य संबंधी स्थितियां वजन बढ़ने की वजह बन सकती हैं। यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, मोटापे का संबंध कई बीमारियों से है। ऐसे में समय रहते वजन को नियंत्रित करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। मोटापे से बढ़ सकता है इन 8 बीमारियों का खतरा।

टाइप–2 डायबिटीज

मोटापा टाइप–2 डायबिटीज के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल है। इस बीमारी में शरीर इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता, जिसके कारण खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। खासकर पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी इंसुलिन रेजिस्टेंस का खतरा बढ़ा सकती है। वजन को स्वस्थ सीमा में रखने और नियमित शारीरिक गतिविधि करने से टाइप–2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर

मोटापे के कारण हाई ब्लड प्रेशर यानी हाइपरटेंशन का खतरा भी बढ़ सकता है। शरीर में अतिरिक्त चर्बी होने से दिल को खून पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। इसके अलावा मोटापा किडनी और रक्त वाहिकाओं के कामकाज को भी प्रभावित कर सकता है। लंबे समय तक ब्लड प्रेशर बढ़ा रहने से दिल और दिमाग से जुड़ी समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

दिल की बीमारियां

अधिक वजन और मोटापा दिल की सेहत पर भी असर डाल सकते हैं। शरीर में अतिरिक्त फैट होने से हाई ब्लड प्रेशर, खराब कोलेस्ट्रॉल और ब्लड शुगर बढ़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ये सभी हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर और अन्य हृदय रोगों के जोखिम को बढ़ाते हैं। इसलिए संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और वजन पर नियंत्रण रखना दिल को स्वस्थ रखने में मददगार हो सकता है।

स्ट्रोक

स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है, जिसमें दिमाग तक खून की आपूर्ति बाधित हो जाती है या मस्तिष्क की कोई रक्त वाहिका फट जाती है। इससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। मोटापा हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ाता है, जो स्ट्रोक के प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं। इसलिए वजन को नियंत्रित रखना और ब्लड प्रेशर की नियमित जांच करवाना जरूरी है।

फैटी लिवर डिजीज

लिवर में जरूरत से ज्यादा फैट जमा होने पर फैटी लिवर की समस्या हो सकती है। आजकल इसे मेटाबॉलिक डिसफंक्शन–एसोसिएटेड स्टियाटोटिक लिवर डिजीज भी कहा जाता है। मोटापा, खासकर पेट के आसपास जमा चर्बी, इस बीमारी का जोखिम बढ़ा सकती है। कुछ लोगों में यह समस्या आगे चलकर लिवर में सूजन, फाइब्रोसिस और सिरोसिस जैसी गंभीर स्थिति का कारण बन सकती है। वजन को नियंत्रित रखना और संतुलित खानपान लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम

मेटाबॉलिक सिंड्रोम कई ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का समूह है, जो एक साथ होने पर दिल की बीमारी, स्ट्रोक और टाइप–2 डायबिटीज का खतरा बढ़ा देती है।

इसमें मुख्य रूप से ये ये स्थितियां शामिल होती है

कमर के आसपास अधिक चर्बी जमा होना

खून में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ना

हाई ब्लड प्रेशर

फास्टिंग ब्लड शुगर का बढ़ना

अच्छे कोलेस्ट्रॉल यानी एचडीएल का कम होना

इनमें से तीन या उससे अधिक समस्याएं होने पर मेटाबॉलिक सिंड्रोम की स्थिति मानी जा सकती है। मोटापा इसका एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन और वजन पर नियंत्रण रखने से इसके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस

मोटापे का असर सिर्फ दिल और लिवर पर ही नहीं, बल्कि हड्डियों और जोड़ों पर भी पड़ता है। शरीर का अतिरिक्त वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर दबाव बढ़ा सकता है। इससे ऑस्टियोआर्थराइटिस का खतरा बढ़ सकता है। इस समस्या में जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न महसूस होती है, जिससे चलने–फिरने और रोजमर्रा के काम करने में परेशानी हो सकती है। वजन कम करने से जोड़ों पर पड़ने वाला दबाव घटाने में मदद मिल सकती है।

गाउट

गाउट गठिया का एक प्रकार है, जिसमें जोड़ों में अचानक तेज दर्द, सूजन और लालिमा हो सकती है। यह समस्या तब होती है जब शरीर में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है और उसके क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं। मोटापा और मेटाबॉलिक समस्याएं गाउट का जोखिम बढ़ा सकती हैं। डॉक्टर की सलाह से वजन को धीरे–धीरे कम करना और खानपान में जरूरी बदलाव करना इस समस्या को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।

मोटापा कम करने के लिए अपनाएं ये आदतें

वजन कम करने के लिए अचानक डाइटिंग या बहुत ज्यादा एक्सरसाइज करने के बजाय धीरे–धीरे स्वस्थ आदतें अपनाना बेहतर है।

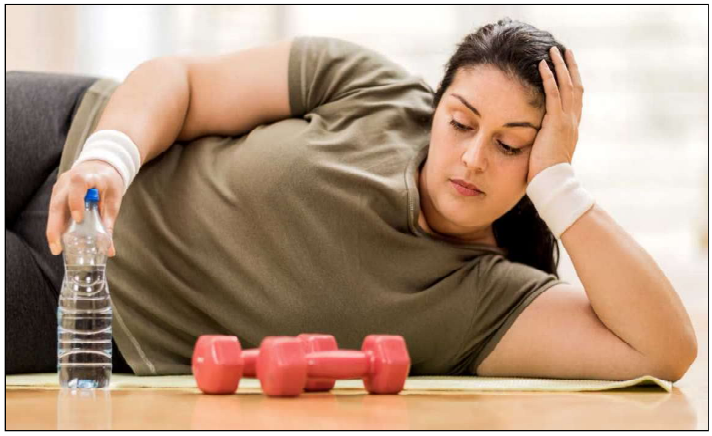
रोजाना कम से कम 30 मिनट शारीरिक गतिविधि करने की कोशिश करें।

खाने में फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त चीजें शामिल करें।

मीठे पेय पदार्थों, जंक फूड और अधिक तली–भुनी चीजों का सेवन सीमित करें। पर्याप्त नींद लें और तनाव को नियंत्रित करने की कोशिश करें।

लंबे समय तक बैठे रहने से बचें और बीच–बीच में टहलें।

समय–समय पर ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाएं। नोट: मोटापा इन बीमारियों का जोखिम बढ़ा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हर ओबेसिटी व्यक्ति को ये सभी बीमारियां होंगी। वजन घटाने की योजना अपनी उम्र, स्वास्थ्य और शारीरिक क्षमता के अनुसार बनाएं। अगर आपको पहले से कोई बीमारी है या वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो डॉक्टर और डाइटिशियन की सलाह जरूर लें।



टीम इंडिया ने पांचवां वनडे जीत सीरीज पर किया कब्जा अर्शदीप और सिराज न्यूजीलैंड के लिए बने नासूर

स्पोर्ट्स डेस्क, नई दिल्ली। अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए रविवार को माउंट माउंगनुई में खेले गए पांचवें और आखिरी वनडे मैच में न्यूजीलैंड को 22 से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने यह पांच मैचों की सीरीज 3–1 से अपने नाम कर ली। सीरीज का तीसरा मैच बारिश के कारण रद हो गया था।

इस लो स्कोरिंग मैच में गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और भारत को 42.1 ओवरों में 209 रनों पर ही ढेर कर दिया। लगा था कि न्यूजीलैंड आसानी से मैच अपने नाम कर लेगी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उसकी राह मुश्किल कर दी। पूरी न्यूजीलैंड टीम 48.1 ओवरों में 187 रनों पर ढेर हो गई। इसी के साथ भारत ने न्यूजीलैंड के घर में लगातार 11 द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतने के क्रम को भी रोक दिया। न्यूजीलैंड टीम 2019 से लगातार अपने घर में द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीतती आ रही थी और आज उसका यह क्रम टूट गया।न्यूजीलैंड को अच्छी शुरुआत की जरूरत थी और विल यंग–टिम सीफर्ट की जोड़ी उसे वो शुरुआत देती दिख रही थी। तभी छठे ओवर की तीसरी गेंद पर मोहम्मद सिराज ने सीफर्ट को पवेलियन की राह दिखाई। उन्होंने 21 गेंदों पर 14 रन बनाए। निक कैली और विल यंग की साझेदारी पनपनी शुरू ही हुई थी कि अर्शदीप ने यंग को दीप



स्क्वायर लेग पर ऋतुराज गायकवाड़ के हाथों कैच कराया। वह 42 गेंदों पर 22 रन बना पाए।

इसके बाद 82 के कुल स्कोर पर अर्शदीप ने निक कैली को पवेलियन भेजा। उनका विकेट 21वें ओवर की चौथी गेंद पर 82 के कुल स्कोर पर गिरा। इसके अगले ओवर में सिराज ने फिन एलन को एक रन के निजी स्कोर पर बोल्ड कर दिया। यहां न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट के नुकसान पर 82 रन था।

डीन फॉक्सक्रॉफ्ट और माइकल ब्रेसवेल ने फिर एक साझेदारी बुननी शुरू की जो भारत के लिए खतरा साबित हो रही थी। तभी आकिब नबी और डेब्यू कर रहे यश ठाकुर ने अपना कमाल दिखाया। आकिब ने 31वें ओवर की आखिरी गेंद पर ब्रेसवेल की 19 रनों की पारी का अंत किया और अगले ही ओवर की पहली गेंद पर यश ने फॉक्सक्रॉफ्ट को बोल्ड कर भारत को मैच में वापस ला दिया। फॉक्सक्रॉफ्ट 42 गेंदों पर 31 रन बनाने में सफल रहे।

इससे पहले, भारतीय बल्लेबाज एक बार फिर नाकाम रहे। टीम का टॉप ऑर्डर बुरी तरह से फेल रहा। रोहित शर्मा छठे ओवर में 23 रनों के कुल स्कोर पर पवेलियन लौट लिए। उन्हें मैट फिशर ने सात रनों के निजी स्कोर पर आउट किया। विराट कोहली भी फिशर का शिकार बने। उन्होंने पांच रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ 27 गेंदों पर 18 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार हो गए।

भारत का स्कोर 34 रनों पर तीन विकेट था। अक्षर पटेल को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने भेजा गया। उन्होंने कार्यवाहक कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ साझेदारी की। जैसे ही टीम का स्कोर 86 रनों पर पहुंचा ब्लेयर टिकनेर ने अय्यर को बोल्ड कर दिया। उन्होंने 26 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 22 रन बनाए।अय्यर के जाने के बाद आए ईशान ने फिर अक्षर का साथ दिया। दोनों संभलकर बल्लेबाजी कर रहे थे। अक्षर अपने अर्धशतक से चार रन ही दूर थे कि ब्रेसवेल ने उन्हें यंग के हाथों कैच कराया। अक्षर ने 55 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाए। उनके जाने के बाद भारत ने नमन धीर (22), आकिब नबी (5) और यश ठाकुर (0) के विकेट खो दिए।

ईशान भी 41वें ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 58 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाए। अंत में अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी कर टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। अर्शदीप ने चार गेंदों पर 14 रन बनाए जिसमें दो छक्के शामिल रहे। मोहम्मद सिराज ने 20 गेंदों पर एक चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 14 रन बनाए।

लक्ष्य सेन खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बने

एजेंसी,कुमामोटो । लक्ष्य सेन कुमामोटो मास्टर्स एकल वर्ग का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने कोकी वतनबे को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेन ने 1 घंटे 4 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे वतनबे को 13–21, 21–18, 21–14 से हराया। टाइटल जीतने के साथ, लक्ष्य 2023 में शुरू हुए कुमामोटो मास्टर्स टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। इससे पहले, वह टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय शटलर बने थे।

इस महीने की शुरुआत में जर्मनी में हाइलो ओपन जीतने के बाद यह लक्ष्य का लगातार दूसरा बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 क्राउन था। यह उनके करियर में पहली बार है जब उन्होंने एक ही सीजन में दो बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। कुल मिलाकर, यह उनका छठा बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल था।वतनबे ने अच्छी शुरुआत की, और पहला गेम 21–13 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में खुद को संभाला और 13–10 की बढ़त बनाए रखी, फिर लगातार छह पॉइंट लेकर नौ पॉइंट की बढ़त बना



ली। हालांकि, वतनबे ने भी लगातार सात पॉइंट बनाकर स्कोर 19–17 कर दिया। दबाव में, लक्ष्य, जिसने हांगझोऊ में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स 2026 के लिए क्वालीफाई करने के अपने मौके बढ़ाए, ने दूसरा गेम जीतकर निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया। निर्णायक गेम में, दोनों खिलाड़ी शुरुआती मुकाबलों में आमने–सामने थे। हालांकि, 5–5 के स्कोर से, लक्ष्य ने धीरे–धीरे बढ़त बनानी शुरू की और इंटरवल तक 11–7 की बढ़त बना ली, फिर आराम से जीत हासिल कर ली। यह सेन के लिए इस साल का तीसरा बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल था। टाइटल जीतने के साथ, लक्ष्य ने 9,200 रैंकिंग पॉइंट हासिल किए, जो उनके सीजन के आखिर के कैंपेन के लिए एक बड़ा बढ़ावा है।

वनडे: न्यूजीलैंड के लिए सेंटनर और डफी ने 3–3 विकेट लिए



एजेंसी,माउंट माउंगनुई । न्यूजीलैंड के खिलाफ बे ओवल में खेले जा रहे वनडे सीरीज के पांचवें और निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन पर सिमट गई है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। रोहित 7 रन और विराट 5 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे ऋतुराज गायकवाड़ सीरीज में लगातार दूसरी बार मिले मौके को भुना नहीं पाए और 18 रन बनाकर आउट हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर भी अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे और महज 22 रन बनाकर आउट हो गए। बाएं हाथ के दो बल्लेबाजों अक्षर पटेल और ईशान किशन ने 46–46 रन की अहम पारियां खेलीं। इन्हीं पारियों की बदौलत टीम इंडिया एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। अक्षर ने 55 गेंदों की पारी में 5 चौके और 1 छक्का लगाया, जबकि ईशान ने 58 गेंदों की पारी में 2 छक्के और 3 चौके लगाए। नमन धीर ने 22 रन बनाए।

अपना डेब्यू कर रहे यश ठाकुर बिना खाता खोले आउट हो गए। आखिरी विकेट के लिए मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह ने 26 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 209 तक पहुंचाया। अर्शदीप 4 गेंदों पर 2 छक्कों की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सिराज 20 गेंदों पर 1 छक्का और 1 चौके की मदद से 14 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम 42.1 ओवर में 209 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की तरफ से कप्तान मिशेल सेंटनर ने सबसे बेहतरीन स्पेल फेंका। सेंटनर ने 10 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए। जैकब डफी ने 8.1 ओवर में 60 रन देकर 3 विकेट लिए। मैथ्यू फिशर ने 7 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। ब्लेयर टिकनर और माइकल ब्रेसवेल को 1–1 विकेट मिला। सीरीज में भारतीय टीम 2–1 से आगे है। अगर टीम इंडिया इस मैच को जीतने में सफल रहती है, तो टीम 3–1 से सीरीज अपने नाम करेगी। वहीं, न्यूजीलैंड की जीत की स्थिति में सीरीज 2–2 से बराबर रहेगी।

दूसरे फ्रेंडली मैच में भी भारतीय टीम का निराशाजनक प्रदर्शन

एजेंसी,क्राइस्टचर्च । नवंबर विंडो के दूसरे इंटरनेशनल फ्रेंडली मुकाबले में रविवार को न्यूजीलैंड ने वन न्यूजीलैंड स्टेडियम में भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को 3–0 से हराया। मैच की शुरुआत में मेजबान टीम के लगातार दबाव के बावजूद भारत ने खुद को संभाले रखा, लेकिन 22वें मिनट में फिन सुरमैन ने गोल करके इस गतिरोध को तोड़ दिया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने हाफ–टाइम से पहले अपनी बढ़त को और मजबूत किया।40वें मिनट में जेम्स मैकगैरी ने स्कोर 2–0 कर दिया और तीन मिनट बाद क्रिस वुड ने एक और गोल करके अपनी टीम की 3–0 से जीत पक्की कर दी।

मैच की शुरुआत से ही न्यूजीलैंड ने गेंद पर अपना नियंत्रण बनाए रखा और भारत को उनके अपने ही हाफ में रोके रखा। एआईएफएफ की रिपोर्ट के अनुसार, इस मैच में ryan विलियम्स ने पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी की। भारत के मुख्य कोच खालिद जमील ने पहले फ्रेंडली मैच की तुलना में अपनी शुरुआती इलेवन में पांच बदलाव किए।कुआशिक कुरुनियन, जय गुप्ता, मेहताब सिंह, मोहम्मद सनन और रोशन सिंह नाओरेम को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया। इन बदलावों के साथ भारत की रणनीति में भी बदलाव दिखा। टीम ने पांच खिलाड़ियों की बैकलाइन के साथ एक मजबूत रक्षात्मक ढांचा अपनाया, जिसमें रोशन सिंह नाओरेम और अभिषेक सिंह टेकचम क्रमशः लेफ्ट और राइट फुल–बैक की भूमिका में थे। डैरेन बैजली की टीम ने नौवें मिनट में ही खतरा पैदा किया, जब बाईं ओर से आए एक क्रॉस को बॉक्स के अंदर कप्तान क्रिस वुड ने पकड़ा, लेकिन विशाल कैथ ने आसानी से गेंद को रोक लिया। न्यूजीलैंड लगातार हमले करता रहा, जबकि भारत का



डिफेंस बार–बार इन हमलों को नाकाम करता रहा। आखिरकार, 22वें मिनट में न्यूजीलैंड को पहली सफलता मिली। बाईं ओर से कैलम मैककोवाट ने कॉर्नर किक ली, जिसे बॉक्स के अंदर फिन सुरमैन ने हेडर के जरिए गोल में तब्दील कर दिया और न्यूजीलैंड को बढ़त दिला दी। इसके बाद भी विशाल कैथ काफी व्यस्त रहे। उन्होंने फ्रांसिस डी ब्रीस के एक प्रयास को पंच मारकर दूर किया, और फिर जेसी रैंडल के एक खतरनाक क्रॉस को गोल पोस्ट के ऊपर से बाहर धकेल कर शानदार बचाव किया।

भारत ने मनवीर सिंह, आशिक कुरुनियन और विलियम्स के जरिए वापसी करने की कोशिश की, लेकिन वह कोई स्पष्ट मौका बनाने में संघर्ष करते रहे, जबकि न्यूजीलैंड ने पूरे मैच में अपना नियंत्रण बनाए रखा। मेजबान टीम ने 40वें मिनट में अपनी बढ़त को दोगुना कर दिया, जब जेम्स मैकगैरी ने ओवेन पार्कर–प्राइस के पास पर सही समय पर दौड़ लगाई और गेंद को गोल में पहुंचा दिया। तीन मिनट बाद मेजबान टीम ने फिर गोल किया। मैथ्यू गारबेट और रैंडल ने मिलकर बॉक्स के अंदर वुड को एक क्रॉस दिया, जिस पर वुड की पिंडली से लगकर गेंद गोल पोस्ट में चली गई। 44वें मिनट में कैथ को फिर से हरकत में आना पड़ा। उन्होंने बाईं ओर से मैककोवाट की फ्री–किक पर वुड के हेडर को शानदार तरीके से पंच करके बचा लिया, लेकिन हाफ–टाइम तक भारत 0–3 से पीछे था। हाफ–टाइम के दौरान मुख्य कोच जमील ने तीन बदलाव किएकुबिजय वर्गीस, प्रमवीर और पहली बार खेल रहे गोलकीपर ऋतिक तिवारी को मैदान पर उतारा गया। ऋतिक को जल्द ही अपना कौशल दिखाने का मौका मिला और उन्होंने गोलपोस्ट के सामने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। 55वें मिनट में उन्होंने बीच से मैककोवाट के प्रयास को शानदार तरीके से रोका, और फिर बॉक्स के अंदर डी ब्रीस के फॉलो–अप शॉट को भी आसानी से पकड़ लिया। एक घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले भारत ने लालरिनलियाना हनामते, मुहम्मद सुहेल, लिस्टन कोलाको और टोम्बा सिंह हाओबाम के रूप में कुछ और नए खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा। 81वें मिनट में भारत को एक मौका मिला, जब टोम्बा और हनामते ने मिलकर लिस्टन को गेंद दी, लेकिन उनका दूर से लगाया गया शॉट क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया। इसके बाद विलियम्स की जगह लालरेमदुलुआंगा फनाई आए और मेहताब ने कप्तानी संभाली।

मुंबई में फिर महंगी हुई सीएनजी, 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़े दाम, 91.50 रुपये पहुंची कीमत

एजेंसी,मुंबई । मुंबई और आसपास के महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रहने वाले लोगों को महंगाई का एक और झटका लगा है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में सीएनजी का खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई दरें शनिवार आधी रात से लागू कर दी गई हैं। एमजीएल की ओर से इस साल सीएनजी की कीमतों में की गई यह आठवीं बढ़ोतरी है। कंपनी ने इससे पहले 1 नवंबर को भी सीएनजी के दाम में एक रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था। इस तरह पिछले 15 दिनों में ही गैस की कीमतों में 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं, पिछले 75 दिनों के दौरान सीएनजी कुल 5.50 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2026 से लेकर अब तक मुंबई में सीएनजी की कीमतों में कुल 11 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि हो चुकी है। इस अवधि में गैस के दाम करीब 14 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। लगातार हो रही इस बढ़ोतरी से वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी



संकट को भी एक प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इस संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की कम उपलब्धता और आयातित गैस की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की खरीद लागत में इजाफा हुआ है। इसी वजह से गैस की कीमतों पर दबाव बढ़ा है। वहीं, सीएनजी के दाम बढ़ने का सबसे ज्यादा असर ऑटो रिक्शा, टैक्सी और अन्य सीएनजी से चलने वाले वाहनों के मालिकों पर पड़ने की आशंका है।

ईंधन महंगा होने से उनके रोजाना के परिचालन खर्च में वृद्धि होगी।

बीएफआई: ओलंपिक 2028 तक मैट्स निल्सन को बनाया स्पोर्ट्स साइंस का प्रमुख

एजेंसी,नयी दिल्ली। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने मैट्स रिकार्ड निल्सन को स्पोर्ट्स साइंस का प्रमुख नियुक्त किया है। वह लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 तक एथलीटों और कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर काम करेंगे, ताकि वैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धतियों प्रदर्शन की निगरानी और एथलीटों के विकास को मजबूत किया जा सके। बीएफआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, बीएफआई के साथ उनकी मौजूदा शर्तों के अनुसार, निल्सन साल भर में कई चरणों में कुल 75 दिन भारतीय बॉक्सिंग टीम के साथ बिताएंगे। बाकी समय वह बीएफआई की स्पोर्ट्स साइंस टीम के साथ दूर से (रिमोटली) काम करेंगे।ष निल्सन की मुख्य जिम्मेदारियों में एथलीटों की प्रगति पर नजर रखना, प्रदर्शन डेटा की समीक्षा करना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण योजनाएं तैयार करना और उन्हें साझा करना शामिल होगा। इसके साथ ही वह एथलीटों के प्रशिक्षण और विकास कार्यक्रमों में निरंतरता बनाए रखने के लिए नियमित सुझाव और विशेषज्ञ इनपुट भी देंगे। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ष्यह नियुक्ति बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उस प्रयास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य



अपने स्पोर्ट्स साइंस इकोसिस्टम को मजबूत करना और एथलीटों की तैयारी में एक व्यवस्थित, साक्ष्य–आधारित दृष्टिकोण को शामिल करना है। मैदान पर रहकर काम करने और लगातार रिमोट सपोर्ट देने के जरिए इस पहल का लक्ष्य प्रदर्शन का लगातार आकलन करना, वैज्ञानिक प्रशिक्षण लागू करना और हर एथलीट के लिए व्यक्तिगत विकास सुनिश्चित करना है। स्वीडन के पूर्व ओलंपिक वेटलिफ्टर निल्सन ने 2019 में भी भारतीय मुक्केबाजों के साथ काम किया था। उनके पास स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विशेषज्ञ के रूप में 30 साल से अधिक का अनुभव है और उन्होंने दुनिया भर के बेहतरीन एथलीटों के साथ काम किया है।

निल्सन ने कहा, मैं भारतीय बॉक्सिंग प्रोग्राम से जुड़कर और अपार संभावनाओं वाली इस टीम में अपना योगदान देकर बहुत खुश हूं। मुक्केबाजों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ को देखने के बाद मुझे लगता है कि यहां आगे बढ़ने के लिए एक मजबूत आधार मौजूद है। मेरा ध्यान कोचिंग टीम के साथ मिलकर शारीरिक तैयारी, ट्रेनिंग लोड प्रबंधन और रिकवरी पर काम करने पर होगा, ताकि एथलीटों की तैयारी का हर पहलू उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करे। हमारा लक्ष्य अपने मुक्केबाजों को स्वस्थ रखना, लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर अगले स्तर तक ले जाना है।

कच्चे तेल की चाल और आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

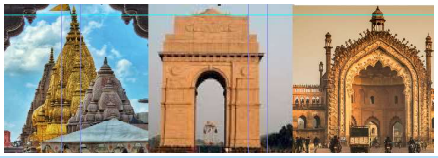
एजेंसी,मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। एफआईआई प्रवाह, कच्चे तेल की चाल और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों से शेयर बाजार की चाल तय होगी। अगले हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह पर बाजार की नजर रहेगी। बीते हफ्ते शेयर बाजार में कैश में विदेशी निवेशकों ने इक्विटी में करीब 33 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया था। हालांकि, इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) करीब 24 हजार करोड़ रुपए की बिकवाली के साथ शुद्ध विक्रेता थे। मध्य पूर्व में जारी उठा पटक के बीच कच्चे तेल पर भी निवेशकों की नजरें रहेगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते हफ्ते कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 96.13 डॉलर प्रति बैरल पर था। इसके अलावा, कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू डेटा भी बाजार की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे। अमेरिकी फेड चेयर केविन वॉश 16 नवंबर को फेडरल रिजर्व प्रोडक्टिविटी एंड जॉब्स टास्क फोर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे। जानकारों के मुताबिक, इसमें वह ब्याज दरों को लेकर संकेत दे सकते हैं, जिसका असर सीधे बाजार पर हो सकता है। इसके अलावा, 19 नवंबर को फेड मिनट्स जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, भारत में 16 नवंबर को थोक महंगाई दर और बेरोजगारी के आंकड़े आएंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ती दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

टेली : 0522–3564414
फोन : 919839668352
आर.एन.आई.: UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004–5
E-mail:lokhastakshep@gmail.com

संपादकः दीप्ती दुबे
'स्थानीय संपादकः अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी।



देश-विदेश

हैकाथॉन के प्रतिभागी अपनी सोच का दायरा बढ़ाएं, सीमाओं से आगे जाकर समाधान तलाशें : प्रह्लाद जोशी

एजेंसी,सिंगापुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को सिंगापुर–भारत हैकाथॉन 2026 के 120 प्रतिभागियों से नवोन्मेषी समाधान तलाशते समय सीमाओं से परे सोचने का आह्वान किया। जोशी ने सिंगापुर में आयोजित तीन दिवसीय हैकाथॉन की शुरुआत करते हुए कहा, सीमाओं से परे सोचें। अपने समाधान को किसी एक शिक्षण संस्थान के परिसर या देश तक सीमित न रखें। उन्होंने दोनों देशों के संस्थानों द्वारा आयोजित इस हैकाथॉन के चौथे संस्करण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से कहा, मानवता के लिए नवोन्मेष करें। मिलकर काम करें और दूसरे देश से आए अपने साथियों के विचारों को सुनें। जोशी ने कहा कि भारत ने जब भी कुछ विकसित किया है, मानवता के हित में किया है। उन्होंने इस संदर्भ में कोविड–19 महामारी के दौरान भारत द्वारा लगभग 100 देश को



टीके भेजे जाने का उल्लेख किया। उन्होंने 36 घंटे तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे 60 विद्यार्थियों से कहा कि सिंगापुर और भारत नवोन्मेष के लिए परीक्षण केंद्र, संयुक्त प्रशिक्षण केंद्र और शिक्षकों के आदान–प्रदान की दिशा में काम कर रहे हैं तथा दोनों देश ऐसे भविष्य की ओर भी बढ़ रहे हैं, जहां भारत में प्राप्त कौशल प्रमाणपत्र सिंगापुर में भी मान्य होगा। जोशी ने कहा, यह हैकाथॉन हमारे दोनों देशों के संबंधों की गाथा में युवाओं का अध्याय है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2018 में इसके पहले संस्करण के दौरान कहा था, यह हैकाथॉन दोनों देशों की प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष और युवा शक्ति को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि आज भारत के 60 प्रतिभाशाली युवाओं और सिंगापुर के 60 उत्कृष्ट प्रतिभागियों को एक साथ देखकर यह दृष्टिकोण पहले से कहीं अधिक जीवंत नजर आ रहा है। उपभोक्ता मामले, सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभागों का प्रभार भी संभाल रहे जोशी ने कहा, इस हैकाथॉन को वास्तव में खास बनाने वाली बात मिलकर कुछ नया विकसित करने की भावना है। जब भारतीय रचनात्मकता का मेल सिंगापुर की सटीक कार्यशैली और वैश्विक पहुंच से होता है, तो संभावनाएं असीमित हो जाती हैं।

हैकाथॉन के उद्घाटन के अवसर पर जोशी के साथ सिंगापुर के शिक्षा मंत्री डेसमंड ली भी मौजूद थे। उन्होंने प्रतिभागियों को एक–दूसरे के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। ली ने कहा, यह प्रतियोगिता तीन दिन में समाप्त हो जाएगी, लेकिन यहां आपके बीच बनने वाले संबंध अपने–अपने शिक्षण संस्थानों में लौटने के बाद भी लंबे समय तक बने रह सकते हैं। समय के साथ ये संबंध हमारे समाजों के बीच सेतु बन सकते हैं और हमारे लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में सिंगापुर और भारत के 55 उच्च शिक्षण संस्थानों की टीमें भाग ले रही हैं। बेहतर भविष्य का निर्माण विषय पर आधारित चौथे हैकाथॉन का आयोजन 15 से 17 नवंबर, 2026 तक सिंगापुर प्रबंधन विश्वविद्यालय (एसएमयू) में किया जा रहा है। इसमें शिक्षाविदों, विद्यार्थियों प्रायोजकों और सरकारी अधिकारियों सहित 250 लोग शामिल हो रहे हैं। इस वर्ष हैकाथॉन का आयोजन एसएमयू के नवोन्मेष एवं उद्यमिता संस्थान (एसएमयू आईआईई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और भारत के शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ ने द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) की स्थानीय इकाई टीआईई सिंगापुर के सहयोग से किया है।

ब्रेबोर्न की जगह वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे मुंबई लेग के सभी मुकाबले

एजेंसी,नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार को बताया कि विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के मुंबई चरण के मैच ब्रेबोर्न स्टेडियम के बजाय वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे। मैचों के शेड्यूल और तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बदलाव की उम्मीद पहले से ही थी। आईएएनएस ने शनिवार को ही रिपोर्ट दी थी कि लीग के दूसरे चरण को वानखेड़े स्टेडियम में शिफ्ट किया जा सकता है। ऐसा आईसीसी के उस नियम के कारण हुआ है, जिसके तहत टूर्नामेंट शुरू होने से 15 दिन पहले वेन्यू पर आईसीसी का पूरा नियंत्रण होना चाहिए। ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 14 से 28 फरवरी तक 6 टीमों वाली पहली विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी खेली जाएगी। बीसीसीआई ने बताया, चूंकि ब्रेबोर्न स्टेडियम में 14 फरवरी से शुरू होने वाली पहली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 भी आयोजित होनी है, इसलिए टाटा डब्ल्यूपीएल के खत्म होने और इस मल्टी–नेशन टूर्नामेंट के शुरू होने के बीच का समय इतना कम होगा कि पिचों को दोबारा तैयार होने के लिए पर्याप्त मौका नहीं मिल पाएगा।

यह बदलाव इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के उस अनुरोध के बाद किया गया है, जिसमें ब्रेबोर्न स्टेडियम में होने वाले मैचों को कहीं और शिफ्ट करने के लिए कहा गया था। बीसीसीआई ने आगे बताया कि डब्ल्यूपीएल कमिटी ने इस बदलाव को मंजूरी दे दी है और अब मुंबई लेग के सभी 11 मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई लेग के सभी 11 मैच होंगे। इनमें लीग चरण के 12वें से 20वें मैच, एलिमिनेटर और



फाइनल शामिल हैं। ये मुकाबले 26 जनवरी से 7 फरवरी 2027 के बीच खेले जाएंगे। डब्ल्यूपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 15 सितंबर को ही मूल वेन्यू और तारीखों को मंजूरी दे दी थी। 2027 सीजन की शुरुआत 14 जनवरी को वडोदरा में होगी, जहां मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस से होगा। 24 जनवरी तक पहले 11 मैच वडोदरा में खेले जाएंगे, जिसके बाद टूर्नामेंट मुंबई आ जाएगा।

प्रभातफेरी के साथ आर्य सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। राम नगर स्थित आर्य समाज राम नगर के तत्वावधान में आयोजित वेद प्रचार आपके द्वार एवं आर्य सम्मेलन का रविवार को सामूहिक प्रभातफेरी के साथ विधिवत रुप से शुभारंभ हो गया है। आयुर्वेदाचार्य डॉ. परमेश्वर अरोड़ा ने ओम ध्वज दिखाकर प्रभातफेरी को रवाना किया। आर्य समाज मंदिर राम नगर से प्रारंभ हुई यह प्रभातफेरी आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से भ्रमण करती हुई पुनरु मंदिर परिसर में संपन्न हुई। स्थानीय निवासियों ने जगह–जगह पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रभातफेरी के समापन पर मंदिर में सामूहिक यज्ञ और सत्संग का आयोजन हुआ। आर्य समाज के प्रधान ओम प्रकाश चुटानी ने कहा कि प्रभातफेरी से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य लाभ होता है, बल्कि मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी मिलती है। साथ ही, इससे समाज में आपसी प्रेम और भाईचारा मजबूत होता है। प्रभातफेरी के दौरान मनीषा, स्वाति, उर्मिल आर्या, प्रज्ञा दयावन्ति, राम लाल आर्य, प्रभु दयाल चुटानी और प्रधान ओम प्रकाश चुटानी ने वैदिक भजनों की प्रस्तुति दी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। आयोजन समिति ने बताया कि यह विशेष धार्मिक अनुष्ठान 22 नवंबर तक चलेगा। इसके तहत प्रतिदिन यज्ञ, भजन और प्रवचन होंगे, जबकि 22 नवंबर को समापन समारोह होगा। कार्यक्रम में राधा कृष्ण सोलंकी, अजीत गोगिया, अशोक आहूजा, ज्ञान देवी और बबिता सचदेवा सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।



दिवाली, भाई दोज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

राज नर्सिंग होम

डॉ. अंकित श्रीवास्तव
एमबीबीएस एमडी
(फिजीशियन)
शुगर थायराइड पेट एवं
लीवर रोग विशेषज्ञ

डॉ. निहारिका श्रीवास्तव
एमबीबीएस डीजीओ (AMU)
एफएमएएस डीएमएएस दिल्ली
एफआईवीएफ (मुंबई/UK)
लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं
बांझपन रोग विशेषज्ञ

छाउछ चौराहा गोला रोड लखीमपुर खीरी
मो0 8948958145,8948958226

अवनी हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर




दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं

सुविधायें :
- सामान्य ओपीडी
- नॉर्मल डिलीवरी के विशेष सुविधा उपलब्ध
- गुर्दा व पित्ताशय की पथरी का ऑपरेशन।
- ईसीजी ,आईसीयू , वार्मर की सुविधा उपलब्ध।
- प्री मेच्योर बच्चों के इलाज की सुविधा।
- लोहे चीरे या बिना चिरे, अशिकांश फ्रैक्चर ऑपरेशन बिना प्लास्टर इलाज ऑपरेशन के बाद शीघ्र चलने फिरने योग्य।
- बच्चेदानी का ऑपरेशन।
- बवासीर हाइड्रोसिल व भगंदर का ऑपरेशन।
- स्त्री व प्रसूति रोग ल्यूकोरिया।
- रुकी हुई माहवारी का इलाज
- हार्निया का आगरेशन।

पता- एरा रोड, पॉलिटेक्निक के सामने, लखीमपुर खीरी



Shri Balaji Nursing Home
7985174987
EMERGENCY 24/7
सटीक इलाज, विशेषज्ञ डॉक्टर
स्पंदन नर्सिंग होम का विश्वास
सुरक्षित प्रसव | बांझपन इलाज | माहवारी समस्या | बच्चेदानी के रोग
बवासीर PILES | गुप्त विदर FISSURE | भगंदर FISTULA | गुप्त भंग RECTAL PROLAPSE
लखीमपुर की सेहत, हमारी प्राथमिकता
डॉ अंजीत सिंह
एनेस्थेटिस्ट सर्जन
डॉ रिया सक्सेना
बर्स एण्ड प्रक्टोलॉजी रोग विशेषज्ञ
स्पन्दन नर्सिंग होम
आवास विकास कॉलोनी, गैजहूल रोड के सामने, खीरी रोड, लखीमपुर खीरी।

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

लखीमपुर खीरी के ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों से अपील है कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का कट करें। इसके लिए अपने विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी से सम्पर्क करें।
जीतेन्द्र कुमार मिश्र
पीडीएस उपायुक्त, स्वतः रोजगार
लखीमपुर खीरी

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
धीरेन्द्र केसरवानी
समाजसेवी
धाता जनपद- फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
डॉ. पंकज
एमएस जनरल सर्जन और फिजिशियन
पंकज पालिक्लीनिक , कैनाल रोड ,
खागा, फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ
मंथन हास्पिटल खागा की ओर से आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
डा.सरवरी रजा(राजू भाई)
मंथन हास्पिटल खागा
खागा, फ़तेहपुर

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
अनुज प्रताप सिंह
ब्लाक प्रमुख ऐरायां खागा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ

आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
बृजेंद्र भदोरिया
नवाबगंज , गोंडा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ
विश्वकर्मा हास्पिटल खागा की ओर से आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
विश्वकर्मा हास्पिटल खागा

दीपावली, भैया दूज, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ
आप सभी को छठ पूजा की शुभकामनाएँ।
शुभेच्छु
डा. राहुल विश्वकर्मा
विश्वकर्मा हास्पिटल खागा